श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी-पूर्णमा, 2083
dopaharmetro epaper.dopaharmetro.com dopaharmetro
वर्ष-10, अंक - 52 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
27 अगस्त 2026
गुरुवार

आज का मौसम
27.7 अधिकतम
23.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका का संघर्ष पहले सेशन में भारत को विकेट नहीं

कोलंबो। भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट में फॉलोऑन खेल रही श्रीलंका ने पांचवें दिन पहले सेशन तक दूसरी पारी में 6 विकेट पर 329 रन बना लिए हैं। टीम ने 116 रन की बढ़त हासिल कर ली है, जबकि भारत को पहले सेशन में एक भी विकेट नहीं मिला। सोनल दिनूषा 55 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि केशरा नुवानथा 40 रन पर खेल रहे हैं। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हो चुकी है। भारत की ओर से मानव सुथार ने अब तक 2 विकेट लिए हैं। भारत ने पहली पारी 503/9 रन पर घोषित की थी। जवाब में श्रीलंका की टीम 290 रन पर ऑलआउट हो गई थी। इसके बाद भारत ने 213 रन की बढ़त के साथ श्रीलंका को फॉलोऑन दिया।

खेलो इंडिया संवाद: मोदी बोले-जो खेलते हैं, वे खिलते हैं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देश के Gen-Z के साथ सीधा संवाद किया। खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली रूप से इस कार्यक्रम में जुड़े। पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं के मन में नए आइडिया आने चाहिए। खेल हमें जिंदगी की चुनौतियों से लड़ना सिखाते हैं। पीएम मोदी ने कहा, 'जो खेलते हैं, वे खिलते हैं और खेल में 'खिलने' का मतलब सिर्फ मैदान पर जीतना नहीं है। इसका मतलब है व्यक्ति और परिवार का विकास होना। साथ ही देश का मान बढ़ाना।

जयपुर: निम्स यूनिवर्सिटी का स्टूडेंट फंदे पर लटका मिला

जयपुर। जयपुर की निम्स यूनिवर्सिटी का 20 साल का स्टूडेंट प्राइवेट हॉस्टल में फंदे से लटका मिला है। मथुरा (यूपी) का रहने वाला मोहित सैनी सीपीटी सेकेंड ईयर का स्टूडेंट था। कमरे से बदबू आने पर हॉस्टल के अन्य छात्रों ने चंदवाजी पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने कमरे को खुलवाकर शव को बाहर निकलवाया। मंगलवार (25 अगस्त) को भी एक बीटेक स्टूडेंट ने हॉस्टल की 15वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया था।

एक ही परिवार के 4 लोगों ने ट्रेन के नीचे कूदकर किया सुसाइड

अलमनेर। जलगांव जिले के अमलनेर तालुका के टाकरखेड़ा में आज सुबह एक ही परिवार के 4 लोगों ने चलती ट्रेन के नीचे कूदकर सुसाइड कर लिया। वेस्टर्न रेलवे के अधिकारियों ने सुबह 4:40 बजे अमलनेर पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस इंस्पेक्टर दत्तात्रेय निकम की देखरेख में पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शवों का पंचनामा किया। मृतकों की पहचान सुनील अमृत भील (पति), पार्वती भील (पत्नी), सनी और राज के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, भील परिवार सुबह करीब 4 बजे अचानक अपने घर से निकला था। उसके बाद, उन्होंने धरनगांव और अमलनेर के बीच रेलवे लाइन पर चलती ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी।

आंध्र प्रदेश में बस और ऑटो-रिक्शा की टक्कर, 7 की मौत,6 घायल

पलनाडु। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले में आज एक बस ने ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य घायल हुए हैं। घायलों में 4 बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी।हादसा चिलकलूरिपेट मंडल के अड्डा रोड के पास हुआ। बस विजयवाड़ा से तिरुपति जा रही थी, तभी उसने 15 यात्रियों को लेकर जा रहे ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी।

तिब्बत में लैंडस्लाइड से आया नेपाल में जलजला... हिमालय क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है तापमान

तबाही के सैलाब में मौत का आंकड़ा 175 300 भारतीयों की अभी कोई खबर नहीं

खराब मौसम और टूटे रास्तों के बीच लोगों की तलाश जारी

21 भारतीयों को बचाया गया

काठमांडू / नई दिल्ली, एजेंसी

नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बुधवार सुबह आई अचानक बाढ़ में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर अब तक 178 हो गया है। इनमें नेपाल में 175 और तिब्बत में 3 लोगों की जान गई है। 1,400 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। नेपाल सरकार ने कुल 826 लोगों के लापता होने की पुष्टि की है जिनमें 300 से ज्यादा भारतीय हैं। खराब मौसम और टूटे रास्तों के बीच लोगों की तलाशी जारी है। नेपाली सेना ने रसुवा के टिमुरे से आज सुबह 116 लोगों को सुरक्षित निकाला है। इनमें 95 नेपाली और 21 भारतीय हैं। वहीं, तिब्बत में 550 से ज्यादा लोगों का सुराग नहीं मिल रहा है।

नेपाली सेना के मुताबिक, रसुवा के हाकू में हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की एक सुरंग में फंसे 7 लोगों को जिंदा बचा लिया गया है। सेना ने बताया कि तीन अन्य सुरंगों में फंसे लोगों को बचाने का काम जारी है। सेना के अनुसार, रसुवा के टिमुरे इलाके से अब तक 95 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। इनमें 21 भारतीय पर्यटक भी शामिल हैं, जो कल टिमुरे इलाके से संपर्क से बाहर हो गए थे।

तबाही की मुख्य वजह सामने आई है कि तिब्बत के ऊंचे पहाड़ों में बर्फ और चट्टानों का एक बहुत बड़ा हिस्सा ढह गया, जिससे भारी मात्रा में मलबा, कीचड़ और पानी का सैलाब नीचे की तरफ बह निकला। लैंडस्लाइड इतनी जबरदस्त थी कि इसकी वजह से पैदा हुए कंपन ने रिक्टर स्केल पर 5 की भूकंप जैसी तीव्रता दर्ज की। इस भयंकर हिम और भूस्खलन की वजह से त्रिशूली/भोटेकोशी नदी की सहायक नदियों का बहाव कुछ समय के लिए रुक गया था। जब यह प्राकृतिक बांध टूटा, तो पानी का तेज बहाव अचानक नीचे आया। विशेषज्ञों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालय क्षेत्र में तेजी से तापमान बढ़ रहा है, जिससे ग्लेशियर कमजोर हो रहे हैं और इस तरह की आपदाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

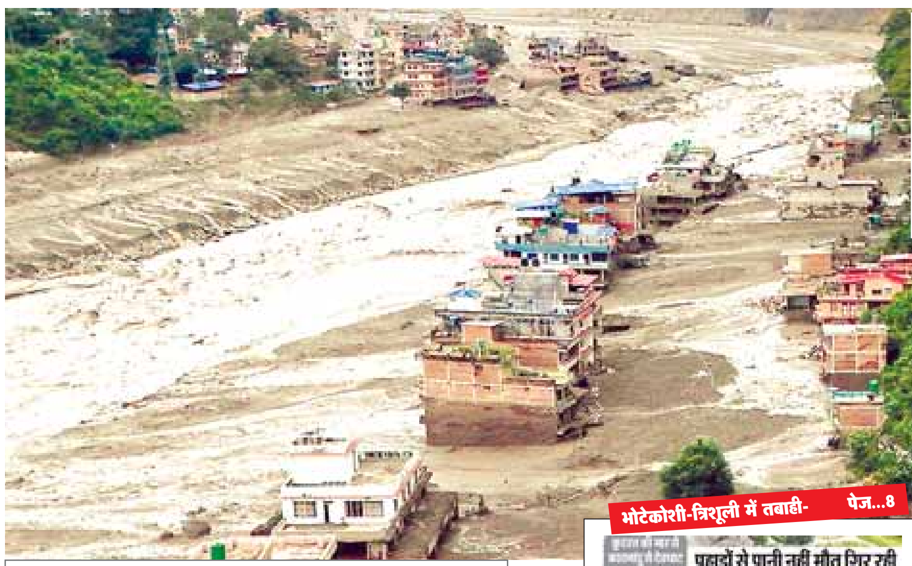

भारत ने सबसे पहले भेजी मदद

नेपाल में बाढ़ से मची तबाही के बीच भारत ने राहत सामग्री की दूसरी खेप नेपाल रवाना कर दी है। भारतीय वायुसेना के विमान से भेजी गई इस खेप में 37.5 टन राहत सामग्री, जरूरी दवाइयां और खाद्य पैकेट शामिल हैं। इससे पहले बुधवार रात भारत ने 10 टन राहत सामग्री और जरूरी दवाइयों की पहली खेप भेजी थी। दोनों खेप मिलाकर भारत अब तक नेपाल को 47.5 टन राहत सामग्री भेज चुका है। भारत ने कहा है कि वह नेपाल सरकार के संपर्क में है और बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने और बचाव अभियान में हरसंभव मदद जारी रखेगा।

सहायता को तैयार संयुक्त राष्ट्र

नेपाल त्रासदी पर संयुक्त राष्ट्र की ओर से दुख जताया गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने नेपाल और तिब्बत में अचानक आई बाढ़ से हुई जानमाल की हानि पर दुख जताया है। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र, सरकार के नेतृत्व में किए जा रहे राहत कार्यों और तत्काल मदद में सहयोग कर रहा है।

भोटेकोशी-त्रिशूली में तबाही- पेज...8

जल प्रलय

पहाड़ों से पानी नहीं मौत गिर रही थी, पल-पल टूट रही थीं सांसें

सद्गुरु जग्गी ने ग्यिरोंग जाने की अनुमति मांगी

आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने अधिकारियों से उन्हें और कुछ स्वयंसेवकों को तिब्बत के ग्यिरोंग इलाके में जाने की अनुमति देने की अपील की है। सद्गुरु के मुताबिक, उनके समूह के 80 लोगों से अब तक संपर्क नहीं हो पाया है। वह लापता लोगों के बारे में जानकारी जुटाने और प्रभावित परिवारों की मदद के लिए ग्यिरोंग जाना चाहते हैं।

बिहार के आठ जिलों में आफत का अलर्ट

नेपाल में बाढ़ की तबाही के बीच बिहार भी हाई अलर्ट पर है। गंडक नदी से जुड़े जिलों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना को देखते हुए तैयारियां की जा रही हैं। बेतिया, मोतिहारी, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त सीतामढ़ी, शिवहर एवं अन्य संवेदनशील जिलों में भी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। सभी जिलाधिकारियों को गंडक नदी के जलस्तर, तटबंधों, निचले इलाकों, पुल-पुलियों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने तथा स्थानीय समुदाय को समय पर अलर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। कोसी, बागमती एवं गंडक कैचमेंट के कई अन्य क्षेत्रों में मध्यम जोखिम खतरे का अनुमान है। जल संसाधन विभाग द्वारा गंडक बैराज के सभी गेटों तथा उससे जुड़े नहरों में पानी प्रवाहित करने के निर्देश दिए गए हैं। बेतिया में भी एनडीआरएफ की टीम की तैनाती करने को कहा गया है।

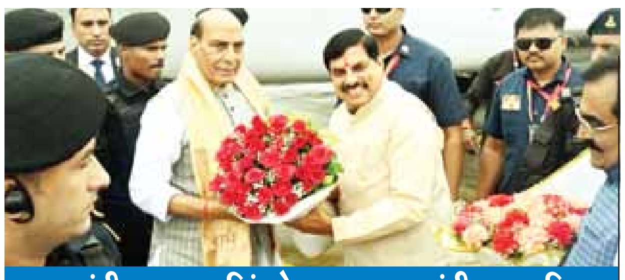

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ मुख्यमंत्री हुए शामिल

जबलपुर की व्हीकल फैक्ट्री में टी-सीरीज टैंक ओव्हरहॉल प्रोजेक्ट का भूमिपूजन

जबलपुर / भोपाल। भारतीय सेना के T-72 टैंकों के ओवरहॉल की क्षमता अब जबलपुर में भी बढ़ने जा रही है। व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत नई ओवरहॉल परियोजना स्थापित की जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज इस परियोजना का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

करीब सात महीने पहले व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर ने पहली बार भारतीय सेना के T-72 टैंक का ओवरहॉल सफलतापूर्वक पूरा किया था। की इस उपलब्धि को भारतीय सेना की बढ़ती जरूरतों के अनुरूप ओवरहॉलिंग क्षमता विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया। इसके बाद रक्षा मंत्रालय ने जबलपुर में नियमित रूप से T-72 टैंकों के ओवरहॉल के लिए परियोजना स्थापित करने का फैसला लिया। इसकी लागत 600 करोड़ रुपए है।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत ओवरहॉल किए गए दो T-72 टैंक हाल ही में भारतीय सेना को सौंपे गए हैं। इन टैंकों के ओवरहॉल में सेना की तकनीकी स्पेसिफिकेशन और निर्धारित क्वालिटी स्टैंडर्ड का पालन किया गया। परियोजना के शुरू होने के बाद जबलपुर में इस काम की क्षमता और बढ़ने की उम्मीद है। इससे सेना को जरूरत के समय टैंकों की तकनीकी तैयारियों में मदद मिलेगी।

दिल्ली में 21 साल की मॉडल की घर में घुसकर हत्या,चाकू से गोदा

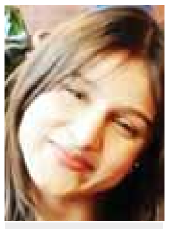

मृतका मुस्कान।

नई दिल्ली। दिल्ली के तिलक नगर इलाके में बुधवार शाम 21 साल की मॉडल की उसके घर में घुसकर हत्या कर दी गई। आरोप जिम ट्रेनर इमरान पर लगा है। वह पिछले कुछ समय से युवती को जानता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बुधवार को युवती मुस्कान के परिजन बाहर गए हुए थे और वह घर में अकेली थी। तभी आरोपी वहां पहुंचा और उस पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। इसमें आरोपी भागते हुए नजर आ रहा है। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी घर तक कैसे पहुंचा और वारदात के बाद किस रास्ते से फरार हुआ। मृतका के दोस्त ने बताया कि मुस्कान स्टूडेंट थी। पार्ट टाइम मॉडलिंग करती थी।

ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश, एक पायलट की मौत, दूसरा गंभीर

कानपुर। कानपुर में आज एक ट्रेनी विमान क्रैश हो गया। हादसे में एक पायलट की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर है। हादसा गंगा किनारे नत्था पुरवा गांव के पास हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, विमान ट्विन इंजन था। उड़ान के दौरान अचानक विमान में धमाका हुआ। इसके बाद विमान जमीन पर गिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। प्रशासन की टीम भी मौके के लिए रवाना हो गई है। विमान क्रैश की सूचना के बाद इलाके में भारी भीड़ जमा हो गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी। किन परिस्थितियों में विमान क्रैश हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

अमेरिका में शरिया कानून को ट्रंप की ना, रोक का किया समर्थन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे अमेरिका में शरिया कानून पर रोक लगाने वाले कानून का समर्थन करेंगे। उनका तर्क है कि देश में केवल एक ही कानूनी व्यवस्था होनी चाहिए।

ट्रंप ने ये टिप्पणियां रूढ़िवादी प्रसारक ग्लेन बेक के साथ एक साक्षात्कार के दौरान कीं। जिन्होंने उनसे पूछा कि क्या वह उस कानून के लिए दबाव डालेंगे या उस पर हस्ताक्षर करेंगे जिसे बेक ने अमेरिका के लिए शरिया कानून विरोधी अधिनियम के रूप में कहा था।

ट्रंप ने जवाब दिया, 'हां, मैं दो बातें कहूंगा। पहली बात, शरिया कानून के बारे में मैं साफ तौर पर कहूंगा कि यह इस देश के लिए नहीं है। यहां कोई शरिया कानून नहीं होगा।' राष्ट्रपति ने दावा किया कि अमेरिका के कुछ हिस्सों में पहले से ही शरिया कानून का पालन किया जा रहा है। उन्होंने उन जगहों का नाम नहीं बताया और न ही अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत दिया। ट्रंप ने अमेरिकी कानूनी व्यवस्था के साथ-साथ इस्लामिक धार्मिक कानून को लागू करने का विरोध करते हुए यूरोप की राजधानियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'आप लंदन या पेरिस जाते हैं, तो यह लगभग जिंदगी जीने का एक दूसरा तरीका लगता है। यह अजीब बात है।' राष्ट्रपति ने बेक से कहा कि वह इस पर रोक का समर्थन करेंगे।

मनु से आंबेडकर तक... सामाजिक सुधार की लड़ाई आखिर किसकी है?

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

मनु और मनुवाद पर विमर्श
अंतिम

भारत का सामाजिक इतिहास न तो पूरी तरह शोषण की कहानी है और न ही पूरी तरह आदर्श व्यवस्था की। इसमें उपलब्धियां भी हैं तो विसंगतियां भी। आध्यात्मिक ऊंचाई भी है और सामाजिक विकृतियां भी। इसलिए किसी एक युग के दोष को पूरे सनातन समाज के माथे पर और किसी एक उपलब्धि को पूरे समाज के निर्दोष होने का प्रमाण बना देना, दोनों ही अतियां हैं।

नारी के प्रश्न पर भी यही बात लागू होती है। सनातन परंपरा ने नारी को केवल परिवार की भूमिका तक सीमित करके नहीं देखा। माता, जगजननी, दुर्गा, लक्ष्मी, पार्वती और सरस्वती जैसी अवधारणाओं में नारी शक्ति, ज्ञान, संपदा और सृजन की प्रतीक बनी। मनुस्मृति में भी स्त्री के सम्मान को परिवार के कल्याण से जोड़ा गया और प्रसिद्ध पंक्ति है - 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।' लेकिन इसी के साथ यह भी सच है कि मनुस्मृति में स्त्री की स्वतंत्रता को सीमित करने वाली व्यवस्थाएं हैं। आधुनिक भारत में महिला की स्वतंत्रता और समान अधिकार संविधान की कसौटी पर तय होंगे, किसी प्राचीन सामाजिक व्यवस्था की सीमाओं पर नहीं।

यही बात शूद्र और दलित समाज पर भी लागू होती है। यदि किसी व्यक्ति के साथ केवल जन्म के कारण अपमान हुआ है तो उसका विरोध होना चाहिए। यदि किसी को शिक्षा, सम्मान या अवसर से वंचित किया गया तो वह अन्याय है। लेकिन किसी व्यक्ति विशेष की विकृति को पूरे समाज, पूरे धर्म या हजारों वर्ष पुरानी परंपरा का स्थायी चरित्र घोषित कर देना भी न्यायसंगत नहीं। अन्याय का विरोध कीजिए, लेकिन मनुष्य को उसकी जाति के साथ स्थायी अपराधी मत बनाइए। डॉ. आंबेडकर ने वंचित समाज को अधिकार और सम्मान दिलाने की जो लड़ाई लड़ी, वह भारतीय लोकतंत्र की महान उपलब्धियों में है। लेकिन आंबेडकर का सबसे बड़ा योगदान केवल आरक्षण या संवैधानिक प्रावधान नहीं था। उनका मूल आग्रह था - मानव गरिमा, समानता और न्याय।

इसलिए आंबेडकर को मनु के राजनीतिक विरोधी के रूप में सीमित करना भी उनके विराट व्यक्तित्व को छोटा करना होगा। भारत की सामाजिक यात्रा को मनु से आंबेडकर तक एक सतत संवाद की तरह देखा जा सकता है, जहां पुरानी व्यवस्था में जो उपयोगी था उसे समझा जाए, जो अन्यायपूर्ण था उसे सुधारा जाए और जो नई परिस्थिति के अनुकूल नहीं है उसे पीछे छोड़ा जाए।

कोई समाज एक दिन में नहीं बदलता...

मेरे दादा की पीढ़ी में दूरी थी। मेरे पिता की पीढ़ी में दूरी कम हुई। मेरी पीढ़ी में साथ बैठकर खाना सामान्य हुआ। आज मेरे पोते के लिए वह महिला, जिसने उसके परिवार की तीन पीढ़ियों की सेवा की है, किसी 'दलित' पहचान से पहले परिवार का हिस्सा है। शायद यही भारत की सामाजिक शक्ति है। यह समाज टूटता कम और बदलता ज्यादा है। देव और दानव बाहर कहीं नहीं रहते। वे मनुष्य के भीतर रहते हैं। जब मनुष्य के भीतर देवभाव जागता है तो वह दूसरे मनुष्य में भी अपने जैसा मनुष्य देखता है। जब आसुरी भाव हावी होता है तो जन्म, जाति, धर्म, धन या सत्ता के आधार पर दूसरे को छोटा करने लगता है। इसलिए असली लड़ाई मनु बनाम दलित की नहीं है। असली लड़ाई मनुष्य के भीतर के देवभाव और आसुरी वृत्ति के बीच है। और शायद भारत की हजारों वर्षों की यात्रा का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सुधार परंपरा का अंत नहीं करता, उसे जीवित रखता है। परंपरा वही जीवित रहती है जो समय के साथ स्वयं को सुधारने की क्षमता रखती है। इसलिए न मनु को देवत्व देकर उनकी हर बात को अंतिम सत्य मानने की जरूरत है, न मनु को खलनायक बनाकर भारतीय समाज की पूरी परंपरा को कटघरे में खड़ा करने की। मनु को समझिए, मनुवाद के राजनीतिक जुमले से बाहर निकलकर। आंबेडकर को समझिए, उन्हें केवल राजनीतिक प्रतीक बनाकर नहीं। और सबसे बढ़कर-मनुष्य को मनुष्य की तरह देखिए।

गणपति बप्पा की अगवानी को तैयार राजधानी मूर्तिकारों की कला में दिख रहा आस्था का रंग

भोपाल। गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर राजधानी भोपाल में तैयारियां तेज हो गई हैं और शहर भक्तिमय रंग में रंगने लगा है। विभिन्न क्षेत्रों में मूर्ति कलाकार भगवान श्री गणेश की आकर्षक प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में दिन-रात जुटे हैं। कहीं मिट्टी से प्रतिमाओं का आकार गढ़ा जा रहा है तो कहीं रंग-रोगन और सजावट का काम अंतिम चरण में है। कलाकार श्रद्धालुओं की पसंद के अनुसार छोटी-बड़ी प्रतिमाओं को मुकुट, आभूषण और सुंदर वस्त्रों से सजा रहे हैं। पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते मिट्टी से बनी प्रतिमाओं की मांग भी बढ़ रही है। बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है और श्रद्धालु घरों व पंडालों के लिए बप्पा की प्रतिमाएं पसंद कर रहे हैं।

कोलार क्षेत्र के दंपती को वीडियो कॉल पर जांच गोपनीय रखने की दी गई थी धमकी

97 दिन का डिजिटल अरेस्ट, ईडी-सुप्रीम कोर्ट के नाम से बुजुर्ग दंपती से 22 लाख की ठगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो। राजधानी में साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां ठगों ने ईडी, दिल्ली पुलिस और सर्वोच्च न्यायालय का डर दिखाकर बुजुर्ग दंपती को 97 दिनों तक कथित 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा और 22 लाख रुपए ठग लिए। कोलार क्षेत्र के दंपती को वीडियो कॉल पर लगातार निगरानी में रखकर जांच गोपनीय रखने और किसी को जानकारी देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। ठगों ने फर्जी दस्तावेज और कथित अधिकारियों के जरिए भरोसा जीतते हुए बैंक खातों की जानकारी हासिल की। डर के माहौल में दंपती ने अपने जेवर गिरवी रखकर रकम ठगों के बताए खाते में जमा करा दी। बेटी की परिचित वकील द्वारा दस्तावेजों की जांच कराने पर फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर बैंक ट्रांजेक्शन और कॉल के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

जेवर गिरवी रख जुटाए 22 लाख, रकम के बाद भी नहीं मिली राहत

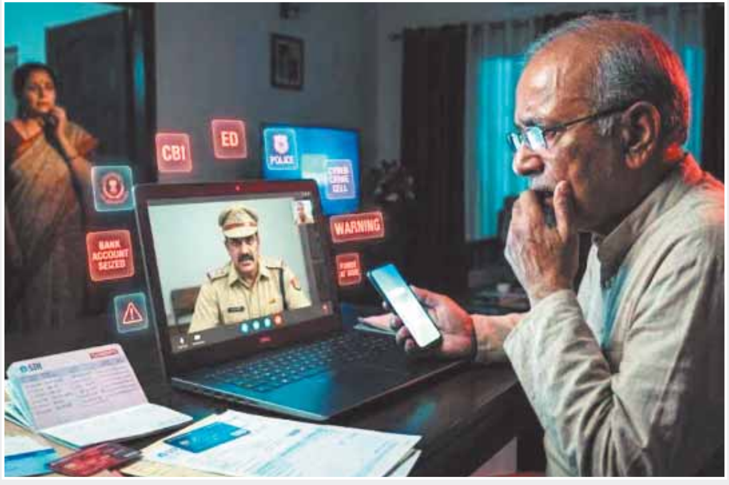

ठगों ने संपत्ति जब्ती का भय दिखाते हुए दंपती से एफडी और कीमती सामान बेचकर या गिरवी रखकर रकम जमा करने को कहा। इसके बाद दंपती ने भोपाल पहुंचकर अपने जेवर गिरवी रखे और 22 लाख रुपये जुटाकर बताए गए खाते में जमा कर दिए। हैरानी की बात यह रही कि रकम मिलने के बाद भी ठगों ने उन्हें अपनी कथित डिजिटल निगरानी से मुक्त नहीं किया। अंततः परिवार की मदद से दस्तावेजों की पड़ताल कराई गई, तब पूरा मामला फर्जी निकला। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने साइबर ठगी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

न्यायाधीश बनकर दंपती को डराया

19 मई को एक अनजान कॉल से शुरू हुआ यह खेल धीरे-धीरे दंपती के लिए भय का जाल बन गया। कॉल करने वाले ने खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताया और करोड़ों रुपये के कथित लेनदेन में नाम जुड़ने की बात कही। बाद में कथित सीआईडी अधिकारी और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनकर ठगों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दंपती को डराया। उन्हें लगातार संपर्क में रहने और किसी से बात न करने के लिए कहा गया। फर्जी आदेशों और सरकारी संस्थाओं के नाम का सहारा लेकर ठगों ने ऐसा माहौल बनाया कि परिवार के पढ़े-लिखे सदस्य भी इसे वास्तविक जांच मान बैठे।

पढ़ा-लिखा परिवार भी नहीं पहचान सका फर्जीवाड़ा

इस मामले ने साबित किया है कि साइबर अपराधी डर, दबाव और फर्जी दस्तावेजों के जरिए किसी को भी निशाना बना सकते हैं। पीड़ित परिवार में शिक्षित और पेशेवर लोग होने के बावजूद ठगों का जाल लंबे समय तक पकड़ में नहीं आया। पीड़ित ने बताया कि फर्जी आदेश की ऑनलाइन जांच के दौरान भी दस्तावेज को संदिग्ध बताया गया था, लेकिन भय और लगातार दबाव के कारण वे सही निर्णय नहीं ले सके। पुलिस का कहना है कि किसी भी जांच एजेंसी के नाम पर वीडियो कॉल के जरिए डराने या तत्काल रकम जमा कराने की मांग को गंभीरता से जांचना चाहिए और संदिग्ध स्थिति में सीधे संबंधित पुलिस या साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करना चाहिए।

'स्वर उत्सव 2026' संगीत में डूबा भोपाल

गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय संगीत की विरासत को मिला नया मंच

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भारतीय शास्त्रीय संगीत की मधुर स्वर लहरियों और गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा के बीच स्वर निषाद संगीत संस्थान, भोपाल ने अंजनी सभागार, रविन्द्र भवन में अपना वार्षिक संगीत समारोह 'स्वर उत्सव 2026' आयोजित किया। समारोह में विभिन्न आयु वर्ग के संगीत साधकों ने मनमोहक प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को सुरों की दुनिया में सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना, सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष रवीन्द्र यती तथा विशिष्ट अतिथि विक्रमादित्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के डायरेक्टर एवं उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के उपनिदेशक शेखर खरड़कर उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने राग भूपाली, खमाज, मेघ और बहार पर आधारित बंदिश, तराना, ठुमरी, भजन एवं सामूहिक प्रस्तुतियों से शास्त्रीय संगीत के विविध रंगों को जीवंत किया। बाल कलाकारों की 'स्वर पुष्प' प्रस्तुति के साथ 'स्वरांजलि', 'स्वर मेघ' और 'स्वर बहार' समूहों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से खूब तालियां बटोरीं। समारोह की खास बात बच्चों से लेकर वयस्क संगीत साधकों की सहभागिता रही। 'स्वर बहार' की प्रस्तुति ने संदेश दिया कि संगीत साधना के लिए उम्र नहीं, बल्कि समर्पण और निरंतर रियाज जरूरी है। समापन 'स्वर संगम' की आध्यात्मिक प्रस्तुति से हुआ। इस अवसर पर संस्थान के गुरुजनों का सम्मान और प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। संस्थान के निदेशक एवं संगीत गुरु आकाश गुंटीवार ने कहा कि संगीत केवल कला नहीं, बल्कि साधना, संस्कार और आत्मानुभूति का माध्यम है। 'स्वर उत्सव' का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संगीत की समृद्ध गुरु-शिष्य परंपरा से जोड़ना है।

जिलाबदर बदमाश ने बरसाईं गोलियां, FIR में देरी पर थाना प्रभारी और एसआई लाइन अटैच

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ चीचली इलाके में पुरानी रंजिश को लेकर जिलाबदर बदमाश जीतू यादव पर एक घर और कार पर फायरिंग करने का आरोप लगा है। घटना बुधवार की दरमियानी रात करीब तीन बजे हुई। गोलियों की आवाज और कार का कांच टूटने से घर में मौजूद लोग जाग गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

शिकायतकर्ता अजय बैरागी के अनुसार, वह बाहर पहुंचा तो कुछ लोग घर के दरवाजे और कार की ओर फायरिंग कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपित फरार हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए, लेकिन गंभीर घटना के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में कई घंटे लग गए। सुबह करीब 11:30 बजे मामला दर्ज होने तक आरोपित फरार हो चुके थे। कार्रवाई में हुई देरी को गंभीर मानते हुए डीसीपी जोन-4 आदर्शकांत शुक्ला ने कजलीखेड़ा थाना प्रभारी पल्लवी पांडे और रात्रि अधिकारी एसआई महेश मांझी को लाइन अटैच कर दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, फायरिंग जैसे गंभीर मामले में तत्काल कार्रवाई नहीं होना गंभीर चूक है। मामले का एक और गंभीर पहलू यह है कि आरोपित जीतू यादव को करीब दो माह पहले जिला बदर किया गया था। उस पर लगभग एक दर्जन आपराधिक मामले दर्ज बताए जा रहे हैं। इसके बावजूद उसके भोपाल में मौजूद होने और कथित तौर पर वारदात में शामिल होने से जिलाबदर बदमाशों की निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस के अनुसार, जीतू यादव और बैरागी गुट के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। दोनों पक्षों के बीच पूर्व में भी मारपीट और फायरिंग की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। पुलिस अब आरोपितों की तलाश में दबिश देकर मामले की जांच कर रही है।

ऑनलाइन गोष्ठी में नरेंद्र कौर छाबड़ा की लघुकथाओं पर हुआ सार्थक विमर्श

लघुकथा का अंत ऐसा हो, जो पाठकों को सोचने पर मजबूर करे : कांता रॉय

भोपाल। दोपहर मेट्रो

लघुकथाकार को अपनी रचना का अंत निर्णयात्मक नहीं रखना चाहिए। लेखक को सब कुछ कह देने के बजाय पाठकों के चिंतन और कल्पना के लिए भी कुछ छोड़ना चाहिए। यह विचार वरिष्ठ लघुकथाकार एवं लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल की निदेशक श्रीमती कांता रॉय ने साप्ताहिक बुधवारीय लघुकथा गूगल गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए।

लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल द्वारा आयोजित गोष्ठी में संभाजीनगर (महाराष्ट्र) की लघुकथाकार श्रीमती नरेंद्र कौर छाबड़ा की रचनाओं का पाठ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र के महासचिव एवं लघुकथाकार घनश्याम मैथिल 'अमृत' के स्वागत उद्बोधन से हुआ।

गोष्ठी का संचालन नई दिल्ली की श्रीमती अश्विनी देशपांडे ने किया।

नरेंद्र कौर छाबड़ा ने 'जन्मदिन', 'मानसिकता', 'दान', 'मदारी' और 'सुख' शीर्षक लघुकथाओं का पाठ किया। इनमें धन के दुरुपयोग, मानवीय संवेदनहीनता, गरीब की उदारता, पेट के लिए जीवन से समझौते और सुख की अनुभूति जैसे विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार एवं समीक्षक अंजू खरबंदा ने लघुकथाओं के शीर्षक, कथ्य और शिल्प पर विस्तार से चर्चा करते हुए इन्हें सामाजिक संवेदनाओं और जीवन के विविध आयामों से जुड़ी महत्वपूर्ण रचनाएं बताया। राजश्री शर्मा, अरुण दनायक, अनिल कुमार जैन, डॉ. आदर्श प्रकाश और डॉ. गिरजेश सक्सेना ने भी समीक्षात्मक टिप्पणियां प्रस्तुत कीं। अंत में लेखिका ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर

सावन के पावन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने की शिव आराधना, अभिषेक में उमड़ा आस्था का सैलाब

नीलबड़ पार्क में सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का हुआ निर्माण

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सावन माह के पावन अवसर पर नीलबड़ पार्क में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं अभिषेक का भव्य धार्मिक आयोजन हुआ। युवा सम्राट नेता गोलू मारण के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साह और श्रद्धा के साथ सहभागिता की। पूरे परिसर में भगवान शिव के जयकारे गूंजते रहे और वातावरण भक्तिमय बना रहा। विधि-विधान से पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कर भगवान शिव का अभिषेक और पूजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा सहित भाजपा के कई नेताओं ने भी पहुंचकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। बड़ी संख्या में माता-बहनों, युवाओं और क्षेत्रवासियों की

मौजूदगी ने आयोजन को विशेष बना दिया। आयोजकों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए रुद्राक्ष और प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई। गोलू मारण ने कहा कि यह आयोजन पहली बार आयोजित किया गया है और इसकी सफलता में क्षेत्र की जनता, माता-बहनों तथा युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने विधायक रामेश्वर शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन और प्रेरणा आयोजन के लिए उत्साहवर्धक रही। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं का धन्यवाद करते हुए बाबा महाकाल से क्षेत्र में सुख, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की।

पहली बार हुआ आयोजन, श्रद्धालुओं के उत्साह ने बनाया यादगार

नीलबड़ पार्क में आयोजित सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं अभिषेक कार्यक्रम को लेकर क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन में सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था और बड़ी संख्या में लोगों ने भगवान शिव की आराधना में भाग लिया। माता-बहनों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने धार्मिक आयोजन को भव्य स्वरूप दिया। आयोजक गोलू मारण ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रथम वर्ष आयोजित किया गया है और जनता के सहयोग से इसे सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी धार्मिक और सामाजिक आयोजनों के माध्यम से क्षेत्रवासियों को जोड़ने का प्रयास जारी रहेगा। रुद्राक्ष एवं प्रसाद वितरण ने श्रद्धालुओं के उत्साह को और बढ़ाया, वहीं हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा परिसर देर तक शिवमय बना रहा।

चार माह की मासूम को मिला नया जीवन, एम्स में हुई हार्ट सर्जरी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एम्स भोपाल के डॉक्टरों ने हार्ट की सर्जरी कर 4 माह की मासूम सिया को नया जीवन दिया। हरदा जिले के सुदूर वनांचल ग्राम गुठानिया की सिया जन्मजात हृदय रोग (पीडीए) से पीड़ित थी। डॉक्टरों ने सजगता और सरकारी योजनाओं के सहयोग से उसे इस रोग से मुक्त कर दिया। सिया को बार-बार सर्दी और निमोनिया की शिकायत होने पर परिजन उसे जिला अस्पताल हरदा ले गए थे। वहां पीआईसीयू में इलाज के दौरान डॉक्टरों को उसमें जन्मजात हृदय रोग के लक्षण नजर आए।

शिशु रोग विशेषज्ञों की सलाह पर तुरंत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत एम्स भोपाल से संपर्क किया गया। एम्स भोपाल में इको जांच के बाद पुष्टि हुई कि सिया के दिल की नली खुली रह गई है, जिसे डॉक्टरी भाषा में 'पीडीए' कहा जाता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एम्स के विशेषज्ञों ने बिना देर किए महज एक सप्ताह के भीतर सिया की 'पीडीए क्लोजर सर्जरी' सफलतापूर्वक पूरी की। गरीब परिवार के लिए बेटी की यह बीमारी आर्थिक रूप से बहुत बड़ी चिंता थी। लेकिन आयुष्मान भारत-निरामयम योजना के तहत पूरी सर्जरी बिल्कुल निःशुल्क हुई। फॉलोअप जांचों के बाद अब सिया पूरी तरह स्वस्थ है।

समृद्ध किसान सशक्त मध्यप्रदेश

ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया मॉडल... पीएम कुसुम योजना के तहत प्रदेश के 32 लाख किसानों को रियायती दरों पर सोलर पंप देने का लक्ष्य

अन्नदाता अब ऊर्जादाता; भारी खर्च से मुक्ति, खेतों को मिलेगी 24 घंटे निर्बाध बिजली

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से उठाएं सस्ती बिजली का लाभ

भोपाल

मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग से बड़ी क्रांति की शुरुआत की है। सरकार नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के माध्यम से किसानों को ऊर्जादाता बना रही है। इसके लिए सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना शुरू की गई है।

यह योजना किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का बड़ा माध्यम बनी है। इसके तहत कृषि फीडरों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया मॉडल स्थापित हो रहा है। सौर ऊर्जा अभियान के तहत पीएम कुसुम योजना लागू की गई है। इसके अंतर्गत प्रदेश के 32 लाख किसानों को रियायती दरों पर आधुनिक सोलर पंप दिए जाएंगे। राज्य सरकार ने अगले 3 वर्षों में 30 लाख सोलर पंप देने की विशेष कार्ययोजना को मंजूरी दी है।

इसके तहत हर साल 10-10 लाख सोलर पंप कनेक्शन दिए जाएंगे। इस कदम से किसानों को भारी बिजली बिलों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, ट्रांसफार्मर खराब होने की समस्या भी खत्म हो जाएगी।

सौर ऊर्जा से अन्नदाता को मिलेगी बड़ी राहत

1. सोलर पंप मिलने से किसानों की डीजल और बिजली पर निर्भरता खत्म होगी, जिससे खेती की लागत में हर महीने बड़ी बचत होगी।
2. बेहद मामूली शुल्क पर परमानेंट बिजली कनेक्शन मिलने से छोटे और सीमांत किसानों पर शुरुआती बुनियादी खर्च का बोझ नहीं पड़ेगा।
3. एससी-एसटी वर्ग के 1 हेक्टेयर तक के किसानों को 5 हॉर्सपावर तक मुफ्त बिजली से सीधे आर्थिक राहत मिल रही है।
4. सोलर पंप और फीडर सुधरने से किसानों को रात के बजाय दिन में सुरक्षित और पर्याप्त सिंचाई करने का अवसर मिलेगा।

मात्र 5 रुपये में... किसानों को मिलेगा स्थाई बिजली कनेक्शन और साथ में सब्सिडी भी

किसानों की सहूलियत के लिए ऊर्जा विभाग मात्र 5 रुपये में बिजली का स्थाई कनेक्शन दे रहा है। वर्तमान में किसानों को हर दिन 10 घंटे निर्बाध बिजली दी जा रही है। अटल कृषि ज्योति योजना के तहत 10 हॉर्सपावर तक के किसानों को बिजली बिल में भारी सब्सिडी मिल रही है। अनुसूचित जाति और जनजाति के छोटे किसानों को 5 हॉर्सपावर तक के पंप पर पूरी तरह मुफ्त बिजली दी जा रही है। सरकार का अंतिम लक्ष्य किसानों को खेतों के लिए 24 घंटे निर्बाध बिजली देना है। इससे सिंचाई की लागत बहुत कम हो जाएगी।

हर खेत तक पानी: सूक्ष्म सिंचाई में मध्यप्रदेश बना देश का अग्रणी राज्य

केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक से बदलेगी एमपी के खेतों की तकदीर

सिंचाई क्षमता को 100 लाख हेक्टेयर तक ले जाने का संकल्प

भोपाल

मध्यप्रदेश की कृषि समृद्धि और हर खेत तक पानी पहुंचाने के संकल्प को जल संसाधन विभाग ने धरातल पर उतारना शुरू कर दिया है। इस दिशा में त्वरित कार्यप्रणाली के दम पर पिछले दो वर्षों के भीतर 7 लाख हेक्टेयर से अधिक नई सिंचाई क्षमता का विस्तार करने में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है।

इस बड़ी उपलब्धि के चलते प्रदेश की वर्तमान सिंचाई क्षमता बढ़कर 56 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गई है। सरकार ने अब आगामी वर्षों में प्रदेश का कुल सिंचित क्षेत्र 100 लाख हेक्टेयर करने का दूरगामी लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रदेश की दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने और सूखाग्रस्त क्षेत्रों की तकदीर बदलने के लिए तीन बड़ी राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। इनमें केन-बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना और ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना शामिल हैं। इनके पूरे होने से मालवा, बुंदेलखंड और निमाड़ अंचल की सिंचाई क्षमता में अभूतपूर्व बढ़ोतरी होगी। माइक्रो इरिगेशन (सूक्ष्म सिंचाई) और टपक सिंचाई पद्धतियों के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश वर्तमान में पूरे देश का अग्रणी राज्य बना हुआ है, जिससे पानी की हर बूंद का अधिकतम उपयोग पक्का हो रहा है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की शुरुआत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

रीयल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तरीय जल डैशबोर्ड

बेहतर जल उपयोग दक्षता और बांधों के जल स्तर की रीयल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए एक अत्याधुनिक 'राज्य स्तरीय जल डैशबोर्ड' बनाने की अधिकारिक घोषणा की जा चुकी है, जो सिंचाई प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता लाएगा। इसके साथ ही, नर्मदा घाटी विकास विभाग द्वारा सिंचाई परियोजनाओं को नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड के माध्यम से सीधे वित्त पोषित करने की मंजूरी दी गई है, जिससे बजटीय रुकावटें पूरी तरह समाप्त हो गई हैं। सरदार सरोवर परियोजना पर हुए ऐतिहासिक निर्णय से मध्यप्रदेश को बड़ी वित्तीय राहत मिलने के साथ-साथ राज्य के जल, सिंचाई और ऊर्जा क्षेत्र को एक नई मजबूती मिली है, जिससे अंतिम छोर के खेतों तक पानी पहुंचना सुगम हो गया है।

दो वर्षों में 7 लाख हेक्टेयर से अधिक सिंचाई क्षमता का हुआ विस्तार

सिंचाई और जल नेटवर्क

- (2 वर्षों में 7 लाख हेक्टेयर की वृद्धि के साथ वर्तमान क्षमता 56 लाख हेक्टेयर हो चुकी है, जिससे लाखों नए खेतों को पानी मिला है।
- (सिंचित क्षेत्र को 100 लाख हेक्टेयर ले जाने के लक्ष्य से सूखाग्रस्त इलाकों में फसलों का उत्पादन कई गुना बढ़ जाएगा।
- (केन-बेतवा, पार्वती-कालीसिंध-चंबल और ताप्ती बेसिन रिचार्ज से मालवा, बुंदेलखंड और निमाड़ की खेती का संकट होगा खत्म।

एग्री-बिजनेस लगाने वाले किसानों को सरकार दे रही 50% तक की भारी सब्सिडी; नरसिंहपुर और मंदसौर में कृषि उद्योग समागमों से बढ़ा औद्योगिक निवेश

धार का पीएम मित्र पार्क देगा 6 लाख कपास उत्पादकों को लाभ

भोपाल

मध्यप्रदेश को कृषि उत्पादन के साथ-साथ देश का प्रमुख एग्री-प्रसंस्करण हब बनाने के लिए औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग ने बड़ी पहल की है। राज्य सरकार के प्रयासों से नरसिंहपुर और मंदसौर जिलों में आयोजित कृषि उद्योग समागम के बड़े परिणाम सामने आए हैं। इसके तहत कृषि आधारित नए उद्योगों को लगाने के लिए करीब 8,000 करोड़ रुपये के बड़े निवेश प्रस्तावों को प्रशासनिक मंजूरी दे दी गई है।

इस औद्योगिक क्रांति के तहत धार जिले में देश के पहले पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क का सफल भूमिपूजन हो चुका है। इसका सीधा लाभ प्रदेश के 6 लाख से अधिक कपास उत्पादक किसानों को उन्नत बाजार और सही दाम के रूप में मिलेगा। सरकार ने कृषि आधारित कारखाने या प्रसंस्करण इकाइयां लगाने वाले स्थानीय किसानों और ग्रामीण युवाओं को बड़ी राहत दी है। इसके तहत उन्हें परियोजना लागत पर 50% तक की भारी सब्सिडी देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। साथ ही, इन कारखानों में काम करने वाले स्थानीय श्रमिकों को 5,000 प्रति माह की अतिरिक्त सहायता देने का भी प्रावधान है।

10 हजार सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना तेज

फूड पार्क, कोल्ड चैन और एग्रो-प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार कर फसलों की संपूर्ण वैल्यू चैन को मजबूत किया जा रहा है। एथेनॉल उत्पादन और मक्का आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर किसानों की उपज के लिए नए औद्योगिक बाजार विकसित किए जा रहे हैं। हर जिले में स्थानीय संसाधनों के हिसाब से एक जिला-एक उत्पाद के तहत काम हो रहा है। इसके अंतर्गत मूल्य संवर्धन के लिए 10 हजार सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना का कार्य तीव्र गति से जारी है। एफपीओ को मजबूत बनाकर किसानों को सीधे वैश्विक बाजार से जोड़ दिया गया है।

टेक्नोलॉजी अपडेट

अब छोटे और सीमांत किसानों तक पहुंची ड्रोन तकनीक

भोपाल। कृषि विभाग द्वारा ड्रोन तकनीक का व्यापक विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत छोटे और सीमांत किसानों को नैनो-यूरिया और तरल उर्वरकों के छिड़काव के लिए आधुनिक कृषि ड्रोन की सेवाएं रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। ड्रोन के उपयोग से न केवल कीटनाशकों और पानी की भारी बचत हो रही है, बल्कि समय और मजदूरी की लागत में भी कमी आई है। सरकार छोटे किसानों और स्थानीय स्तर पर कृषि क्षेत्र से जुड़े युवाओं को ड्रोन पायलट का विशेष प्रशिक्षण देकर ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित कर रही है।

सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण से सुधर रहा है मिट्टी का स्वास्थ्य

भोपाल। मिट्टी में किस पोषक तत्व की कमी है और किस खाद की आवश्यकता है, इसकी सटीक और वैज्ञानिक जानकारी देने के लिए कृषि विभाग द्वारा सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण का महाअभियान चलाया जा रहा है। अब तक 10.76 लाख से अधिक सॉइल हेल्थ कार्ड किसानों को पूरी तरह निःशुल्क वितरित किए जा चुके हैं। विकासखंड स्तर पर भी 265 नई मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं। इनका संचालन स्थानीय युवा उद्यमियों द्वारा किया जा रहा है, जिससे इन्हें रोजगार मिला है, तो किसानों को उनके घर के पास ही मिट्टी की सटीक जांच रिपोर्ट मिल रही है।

कृषि यंत्रीकरण में भी देश का सिरमौर बना मध्यप्रदेश

भोपाल। महंगे और आधुनिक कृषि उपकरण जैसे रोटावेटर, कंबाइन हार्वेस्टर और लेजर लैंड लेवलर छोटे किसानों को किराए पर उपलब्ध कराने के मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। कृषि विभाग द्वारा कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए आगामी 5 वर्षों हेतु 2,868 करोड़ रुपये की कार्ययोजना को मंजूरी दी गई है। वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न ग्रामीण अंचलों में रिकॉर्ड 5,629 हायरिंग केंद्र सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं, जो देश में सर्वाधिक है। इन केंद्रों के माध्यम से सीमांत किसानों को बहुत कम किराए पर आधुनिक मशीनें मिल रही हैं।

एआई संग स्मार्ट फार्मिंग, मौसम व बीमारियों की सीधी जानकारी

भोपाल। मध्यप्रदेश के कृषि क्षेत्र को पूरी तरह डिजिटल और स्मार्ट बनाने के लिए स्मार्ट फार्मिंग और एआई आधारित कृषि पद्धतियों को तेज़ी से लागू किया जा रहा है। इसके तहत इंदौर में स्थापित होने वाले 1,500 करोड़ रुपये के एग्रीटेक इनोवेशन हब के माध्यम से सेटलाइट आधारित क्रॉप मैपिंग और सेंसर तकनीक को खेतों से जोड़ा जा रहा है। इस आधुनिक पद्धति के आने से किसानों को उनके स्मार्टफोन पर ही यह सटीक लाइव जानकारी मिल जाती है कि उनकी फसल में किस बीमारी की शुरुआत हो रही है या खेत के किस हिस्से में नमी कम है।

सागर और देवास के सरकारी फार्मों में उगेंगे उन्नत हाइब्रिड बीज

भोपाल

किसानों को अब अच्छी गुणवत्ता वाले सब्जी बीजों के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। प्रदेश में ही उच्च गुणवत्ता वाले हाइब्रिड सब्जी बीजों के उत्पादन की मजबूत व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी और भारतीय उद्यानिकी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर के सहयोग से दो बड़े बीजोत्पादन हब तैयार किए गए हैं। इस पहल के तहत सागर जिले के ढ़िला फार्म पर ₹6.95 करोड़ तथा देवास जिले के कन्नौद फार्म पर ₹4.39 करोड़ की लागत से 'हाइब्रिड सब्जी बीजोत्पादन कार्यक्रम' सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण सब्जी बीजों की उपलब्धता को मजबूत आधार प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

तकनीक के रास्ते सफलता की ओर...खेतों में उतरी परमाणु विज्ञान की शक्ति

बार्क के सहयोग से भोपाल में लगेगी विकिरण इकाई, इंदौर को मिलेगा शीतल वाहक संयंत्र

भोपाल

मध्यप्रदेश के खेतों और बागों में अब परमाणु विज्ञान की आधुनिक तकनीक का जादू बिखरने वाला है। राज्य के उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने किसानों के चेहरों पर खुशी लाने और फसलों की सेल्फ-लाइफ (भंडारण क्षमता) बढ़ाने के लिए बड़े तकनीकी नवाचार जमीन पर उतारे हैं।

विज्ञान और पसीने के इस अनूठे संगम से अब प्रदेश के किसानों के फल-सब्जियां न सिर्फ लंबे समय तक तरोताजा रहेंगे, बल्कि वे वैश्विक बाजारों में एक्सपोर्ट के लिए भी पूरी तरह तैयार हो सकेंगी। सरकार के इन वैज्ञानिक प्रयासों ने खेती-किसानी को मुनाफे का नया सौदा बना दिया है।

इस वैज्ञानिक महा-अभियान के तहत भोपाल में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। यहां आम और दूसरे फलों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने व कीट-मुक्त निर्यात के लिए भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) बॉम्बे के सहयोग से 20 करोड़ रुपये की लागत वाली आधुनिक विकिरण तकनीकी इकाई बनाई जा रही है।

इसी तरह, इंदौर में राजारमन सेंटर ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी के तकनीकी सहयोग से 1.25 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक शीतल वाहक यंत्र परियोजना स्थापित की गई है। यह संयंत्र फलों और सब्जियों को लंबी दूरी के परिवहन में खराब होने से बचाएगा।

12 जिलों में आलू की कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग, 10 नए जिलों में मखाने की बहार

भोपाल

व्यावसायिक खेती को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से उज्जैन, इंदौर, सागर, छिंदवाड़ा और ग्वालियर सहित 12 प्रमुख जिलों में 2.50 करोड़ रुपये की लागत से पोटेटो कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग (आलू अनुबंध खेती) योजना लागू की गई है। इसी क्रम में, मखाने जैसी उच्च मूल्य की फसल को बढ़ावा देने के लिए नर्मदापुरम, सिवनी, बालाघाट और छिंदवाड़ा के अलावा 10 नए जिलों-जबलपुर, कटनी, रीवा, शहडोल आदि में मखाना क्षेत्र विस्तार योजना का विस्तार किया गया है। वहीं, संरक्षित खेती को प्रोत्साहित करने के लिए 6 करोड़ रुपये की लागत से 20 जिलों में 850 अल्ट्रा लो-कॉस्ट शेडनेट हाउस के निर्माण का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

पीएमएफएमई से बदली तकदीर... उज्जैन के गौरव ने लहसुन-प्याज के पाउडर से कमाया ₹16 लाख का शुद्ध मुनाफा, बुरहानपुर के अभिषेक केले से बना रहे गोल्डन पाउडर

अब खेतों से निकल रहे हैं बिजनेस टाइकून, किसानों ने खड़ी की करोड़ों की फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री

भोपाल

मध्यप्रदेश का अन्नदाता अब सिर्फ फसल उगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह अपनी उपज की प्रोसेसिंग कर सीधे देश-विदेश के बाजारों में बेच रहा है। पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) और सरकारी अनुदान के सहारे सूबे के छोटे-छोटे गांवों और कस्बों से उभरे इन नए उद्यमियों ने पारंपरिक खेती के मिथकों को तोड़ दिया है। आधुनिक मशीनों, बेहतर ब्रांडिंग और पक्के इरादों के दम पर इन किसानों ने न केवल अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ाया है, बल्कि स्थानीय स्तर पर ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोल दिए हैं। यह सफलता आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की एक बेहद खूबसूरत और प्रेरणादायी तस्वीर पेश करती है। **चार उदाहरणों से समझें अन्नदाता कैसे बन रहे हैं उद्योगपति**

उज्जैन के गौरव ने लहसुन-प्याज पाउडर से खड़ा किया 63 लाख का टर्नओवर

उज्जैन के प्रगतिशील युवा गौरव सिंह कनौजिया ने बाजार में मसालों और ड्राई वेजिटेबल्स की मांग को भांपकर महाकाल फूड एंड स्पाइसेस नाम से अपनी प्रोसेसिंग इकाई शुरू की। उन्होंने प्याज, लहसुन, टमाटर और चुकंदर को सुखाकर उनका पाउडर और फ्लेक्स (टुकड़े) बनाना शुरू किया।

गौरव ने योजना के तहत ₹53.41 लाख की कुल लागत से आधुनिक प्लांट लगाया, जिसमें उन्हें सरकार से ₹10.00 लाख का सीधा अनुदान मिला। तकनीक और सही मार्केटिंग के दम पर आज गौरव की इकाई का सालाना टर्नओवर ₹63.00 लाख के पार पहुंच गया है, जिससे वे हर साल ₹16.00 लाख का शुद्ध मुनाफा कमा रहे हैं।

नीमच के सत्यनारायण ने शेडनेट से कमाया 8.46 लाख का शुद्ध लाभ

नीमच जिले के किसान सत्यनारायण पाटीदार ने अपनी खेती को मौसम की मार से सुरक्षित करने के लिए संरक्षित खेती का रास्ता चुना। उन्होंने 4000 वर्ग मीटर के रकबे में एक आधुनिक शेडनेट हाउस का निर्माण किया। इस 28.40 लाख रुपये की बड़ी परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए विभाग ने उन्हें 14.20 लाख रुपये की 50% भारी सब्सिडी दी। सत्यनारायण ने शेडनेट के भीतर खीरा-ककड़ी का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया। अनुकूल वातावरण के कारण फसल की बंपर पैदावार हुई और उन्होंने मात्र दो सीजन में ही 14.06 लाख रुपये की कुल आय के साथ 8.46 लाख रुपये का शुद्ध वार्षिक लाभ अर्जित किया।

केला हब बुरहानपुर में अभिषेक ने केले से बनाया गोल्डन पाउडर, 6 को रोजगार

केला उत्पादन के लिए मशहूर बुरहानपुर जिले के अभिषेक जयसवाल ने कच्चे केलों की बर्बादी को रोकने के लिए लाला हार्वेस्ट नाम से एक अनूठी इकाई स्थापित की। वे प्रतिदिन 40 किलो केला पाउडर और 20 किलो प्याज के फ्लेक्स तैयार कर रहे हैं। इस प्लांट के लिए उन्हें 19.94 लाख रुपये की बैंक वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। आज इस बिजनेस से वे 4.80 लाख रुपये की शुद्ध वार्षिक आय कमा रहे हैं। अभिषेक की इस इकाई का सबसे खूबसूरत पहलू इसका सामाजिक प्रभाव है, जहाँ उन्होंने स्थानीय स्तर पर 6 ग्रामीण युवाओं को नियमित और सम्मानजनक रोजगार देकर आत्मनिर्भर बनाया है।

अनूपपुर की रीता बनीं मिसाल, 1 लाख की मदद से खड़ा किया ₹10 लाख का बिजनेस

महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की सबसे शानदार कहानी अनूपपुर जिले की रीता सिंह ने लिखी है। उन्होंने ग्रामीण अंचल में उपलब्ध औषधीय संसाधनों का उपयोग कर 'श्री ज्ञानम आंवला मुरब्बा एवं मसाला उद्योग' की शुरुआत की। रीता ने महज 1.04 लाख रुपये की सरकारी वित्तीय सहायता से अचार, पारंपरिक मसाले, बेकरी उत्पाद और आंवला मुरब्बा प्रसंस्करण का काम शुरू किया। उनके उत्पादों की शुद्धता के कारण बाजार में इसकी मांग तेजी से बढ़ी। आज रीता सिंह 10.00 लाख की शुद्ध वार्षिक आय हासिल कर क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं के लिए स्वरोजगार की सबसे बड़ी रोल मॉडल बन चुकी हैं।

D-11093/26

विकास की कीमत और आपदा

पहाड़ों पर बर्फ का टूटना कोई नई प्राकृतिक घटना नहीं है, लेकिन जिस तेजी और भयावहता से ग्लेशियर टूटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, वह सामान्य नहीं कही जा सकती। ग्लेशियर केवल बर्फ के विशाल भंडार नहीं, बल्कि नदियों, जलस्रोतों और पूरे हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के जीवन आधार हैं। जब ये असामान्य रूप से पिघलते या टूटते हैं तो नीचे बसे गांवों, कस्बों और शहरों तक अचानक बाढ़, मलबे और पत्थरों की विनाशकारी लहर पहुंच सकती है।

सबसे गंभीर सवाल यह है कि क्या हम इन घटनाओं को केवल प्राकृतिक आपदा मानकर अपनी जिम्मेदारी से बच सकते हैं? निश्चित रूप से नहीं। जलवायु परिवर्तन ने हिमालय के तापमान और मौसम के व्यवहार को प्रभावित किया है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं। दूसरी ओर, अनियोजित निर्माण, सड़कों का अंधाधुंध विस्तार, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं और पर्यटन के बढ़ते दबाव ने पहाड़ों की प्राकृतिक सहनशीलता को भी चुनौती दी है। हर बार किसी ग्लेशियर के फटने या झील के टूटने के बाद राहत और बचाव अभियान शुरू होते हैं, मृतकों के आंकड़े सामने आते हैं और कुछ समय के लिए बहस चलती है। फिर वही पहाड़ फिर उसी तरीके से खोदे जाने लगते हैं। यही हमारी सबसे बड़ी विडंबना है। आपदा के बाद मुआवजा बांटना आसान है, लेकिन आपदा से पहले खतरे को पहचानना और विकास की दिशा बदलना राजनीतिक रूप से कठिन काम है। हिमालय को केवल खनिज, पानी, बिजली और पर्यटन का संसाधन मानने की सोच बदलनी होगी। पहाड़ों की अपनी भौगोलिक सीमाएं हैं। हर ढलान सड़क के लिए नहीं, हर नदी बिजली परियोजना के लिए नहीं और हर घाटी बड़े निर्माण के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती। विकास का अर्थ यह नहीं कि प्रकृति की हर सीमा को तोड़ दिया जाए।सबसे जरूरी है मजबूत पूर्व चेतावनी प्रणाली। ग्लेशियरों, हिमनद झीलों और संवेदनशील घाटियों की चौबीस घंटे निगरानी होनी चाहिए। स्थानीय लोगों को समय रहते चेतावनी देने की व्यवस्था, सुरक्षित निकासी मार्ग और नियमित आपदा अभ्यास अनिवार्य किए जाने चाहिए। वैज्ञानिक चेतावनियों को फाइलों में दबाने के बजाय निर्माण और परियोजनाओं की मंजूरी का आधार बनाया जाना चाहिए। ग्लेशियर का फटना केवल पहाड़ की त्रासदी नहीं है। यह उस विकास मॉडल के सामने खड़ा सवाल है जिसमें प्रकृति की चेतावनी को लगातार नजरअंदाज किया जाता है। यदि हिमालय अस्थिर हुआ तो उसका असर केवल पहाड़ी राज्यों तक सीमित नहीं रहेगा। करोड़ों लोगों की जल सुरक्षा, कृषि और जीवन इससे जुड़ा है। अब समय आपदा का इंतजार करने का नहीं, आपदा को रोकने का है। पहाड़ हमें बार-बार चेतावनी दे रहे हैं। सवाल यह है कि हम अगली तबाही के बाद शोक मनाएंगे या उससे पहले अपनी विकास नीति बदलेंगे?

बांग्लादेश में हिंदू परिवार की हत्या से फिर उठे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर सवाल

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

बांग्लादेश के रंगपुर में एक हिंदू परिवार के चार सदस्यों की हत्या ने एक बार फिर वहां रह रहे अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सेवानिवृत्त शिक्षक गणपति चक्रवर्ती, उनकी पत्नी प्रीतिलता, बेटी अगामी और 12 वर्षीय बेटे प्रियम के शव उनके बंद मकान से बरामद होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों के मुताबिक परिवार के चारों सदस्यों के मोबाइल गुरुवार रात से बंद थे। शनिवार रात जब रिश्तेदार घर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे पर ताला लगा हुआ था और अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही थी। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और ताला तोड़कर मकान में दाखिल हुई।

पुलिस के अनुसार शव घर के अलग-अलग हिस्सों में मिले। पिता गणपति का शव छत पर, मां प्रीतिलता और बेटी अगामी के शव सीढ़ियों पर तथा बेटे प्रियम का शव बिस्तर के नीचे मिला। शुरुआती जांच में हत्या की आशंका जताई गई। बाद में रंगपुर पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर दावा किया कि वे कथित तौर पर घर की छत पर नशीला पदार्थ लेने पहुंचे थे और गणपति द्वारा उन्हें रोकने पर विवाद हुआ। पुलिस के मुताबिक इसके बाद परिवार के सदस्यों की हत्या की गई। मामले में जांच पुलिस, सीआईडी और डिटेक्टिव ब्रांच की ओर से की जा रही है।

इस घटना की सबसे गंभीर बात यह है कि जिस मकान में परिवार के चार लोग मृत मिले, उसका दरवाजा बाहर से बंद था। परिवार के लोगों को कई घंटे तक यह पता ही नहीं चल सका कि अंदर क्या हुआ है। हालांकि प्रारंभिक पुलिस जांच में हत्या का कारण आपराधिक घटना बताया जा रहा है और इसे सीधे तौर पर सांप्रदायिक हत्या कहना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन पीड़ित परिवार के हिंदू होने के कारण इस घटना ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर पहले से मौजूद चिंता को और गहरा कर दिया है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच पूरी होना आवश्यक है।

बांग्लादेश में अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के सत्ता से हटने के बाद राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा का दौर देखने को मिला। उस दौरान हिंदुओं सहित धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों के घरों, दुकानों और धार्मिक स्थलों पर हमलों की रिपोर्ट सामने आई। मानवाधिकार संगठनों ने भी इस स्थिति को गंभीरता से दर्ज किया है। ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार हसीना के पद छोड़ने के बाद दंगाइयों ने हिंदुओं, अहमदिया मुसलमानों और जातीय अल्पसंख्यकों को भी निशाना बनाया। साथ ही संगठन ने यह भी रेखांकित किया कि कई हमलों के पीछे राजनीतिक बदले की भावना और अल्पसंख्यकों को तत्कालीन सत्ता के समर्थक मानने जैसी वजहें भी थीं।

अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के आंकड़ों को लेकर विभिन्न संगठनों और सरकारी संस्थाओं के आंकड़ों में बड़ा अंतर है। यूरोपीय संघ की शरण एजेंसी के अनुसार, ऐन ओ सालिश केंद्र ने 2024 में धार्मिक और आदिवासी अल्पसंख्यकों के खिलाफ 147 हिंसक घटनाएं दर्ज कीं, जिनमें अगस्त में सबसे अधिक 81 घटनाएं हुईं। वहीं बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने अगस्त 2024 के शुरुआती सप्ताहों में इससे कहीं अधिक हमलों का आंकड़ा दिया। इन आंकड़ों में अंतर इसलिए भी है क्योंकि कुछ घटनाओं को सांप्रदायिक, कुछ को राजनीतिक और कुछ को व्यक्तिगत या आपराधिक विवाद से जुड़ा माना गया।

भारत सरकार ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ घटनाओं पर नजर बनाए रखने की बात कही है। मार्च 2026 में राज्यसभा में विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने बताया था कि उपलब्ध मानवाधिकार संगठनों के आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 से फरवरी 2026 के बीच बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगभग 3,100 हिंसा की घटनाएं हुईं। सरकार ने बांग्लादेश से इन घटनाओं की गहन जांच और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की अपेक्षा जताई।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर चर्चा करते समय यह भी जरूरी है कि हर आपराधिक घटना को बिना जांच सांप्रदायिक घटना घोषित न किया जाए। इससे वास्तविक घटनाओं की गंभीरता कम होने का खतरा रहता है और अफवाहों को बढ़ावा मिलता है। लेकिन दूसरी ओर, किसी पीड़ित का अल्पसंख्यक समुदाय से होना यदि हमले की वजह बनता है तो उसे सामान्य अपराध बताकर नजरअंदाज करना भी उतना ही गंभीर है। इसलिए बांग्लादेश सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती निष्पक्ष जांच, दोषियों की गिरफ्तारी और अल्पसंख्यकों में विश्वास बहाल करना है।

नई सत्ता व्यवस्था के सामने यह सवाल लगातार उठता रहा है कि राजनीतिक बदलाव के बाद आम नागरिकों, विशेषकर धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कितनी सुनिश्चित हुई। सरकार का दायित्व केवल आश्वासन देने तक सीमित नहीं हो सकता। हिंदू परिवारों के घर, मंदिर, कारोबार और संपत्ति सुरक्षित रहना चाहिए तथा किसी भी हमले के बाद पुलिस को बिना राजनीतिक या धार्मिक दबाव के कार्रवाई करनी चाहिए। अगस्त 2024 के बाद कई स्थानों पर पुलिस व्यवस्था भी कमजोर हुई थी और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी अपने पदों से हट गए थे, जिससे कानून-व्यवस्था पर असर पड़ा।

रंगपुर के चक्रवर्ती परिवार की हत्या की निष्पक्ष जांच और दोषियों को सजा मिलना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इससे यह स्पष्ट होगा कि बांग्लादेश अपने अल्पसंख्यक नागरिकों के जीवन और अधिकारों को लेकर कितना गंभीर है। इस घटना को लेकर उठ रही आशंकाओं का जवाब अफवाहों से नहीं, बल्कि पारदर्शी जांच और न्याय से मिलना चाहिए। हिंदू समाज की सुरक्षा केवल किसी एक सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि कानून, प्रशासन और पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। पड़ोसी देशों में रहने वाले अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भारत की चिंता भी इसी मानवीय और संवैधानिक दृष्टिकोण पर आधारित होनी चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बदलते समय का रक्षाबंधन... साथ निभाने, सुरक्षा और बिना कहे समझ लेने का वादा

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

रक्षाबंधन का धागा सिर्फ कलाई पर नहीं, दिल पर बंधता है। यह एक वादा है–साथ निभाने का, सुरक्षा का और बिना कहे समझ लेने का। बहन की राखी में वह मासूम दुआ होती है, जो शब्दों में नहीं कही जाती और भाई की आँखों में वह संकल्प होता है, जो हर चुनौती से लड़ने का हौसला देता है। समय चाहे जितना बदल जाए, दूरियाँ कितनी भी बढ़ जाएँ, यह धागा हर बार रिश्तों की गर्माहट लौटा लाता है। रक्षाबंधन महज एक उत्सव नहीं, बल्कि एक एहसास है–जो हर वर्ष हमें अपने रिश्तों की ओर लौटने का अवसर देता है। भारत विविधताओं से भरा देश है, जहाँ हर त्योहार केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं होता, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों को भी मजबूत करता है। इन्हीं विशेष पर्वों में से एक है रक्षाबंधन, जो भाई-बहन के रिश्ते की मिठास, प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। हालांकि बदलते समय, समाज, तकनीक और सोच के साथ रक्षाबंधन के मायने भी बदल रहे हैं। यह परिवर्तन केवल रस्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि इस पर्व की आत्मा, उद्देश्य और सामाजिक संदर्भ में भी स्पष्ट दिखाई देता है।

रक्षाबंधन की जड़ें भारतीय इतिहास, पौराणिक कथाओं और सामाजिक परंपराओं में गहराई से जुड़ी हुई हैं। द्रौपदी और श्रीकृष्ण की कथा हो या रानी कर्णावती द्वारा हुमायूँ को राखी भेजने की लोकप्रिय ऐतिहासिक कथा–राखी लंबे समय से स्नेह, विश्वास और संरक्षण के भाव से जुड़ी रही है। परंपरागत रूप से बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती थी और भाई उसकी रक्षा करने का संकल्प लेता था। इस रिश्ते में प्रेम, विश्वास और समर्पण की गहरी भावना निहित थी। लेकिन आज रक्षाबंधन का दायरा केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रहा। कई महिलाएँ अपने मित्रों, सहकर्मियों, शिक्षकों, सैनिकों और यहाँ तक कि प्रकृति को भी राखी बाँधती हैं। यह बदलाव बताता है कि 'रक्षा' अब केवल किसी एक व्यक्ति का दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक जिम्मेदारी का व्यापक भाव बन चुकी है।

सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि रक्षा का रिश्ता अब एकतरफा नहीं रहा। आज बहनें भी अपने भाइयों से कहती हैं–'मैं भी तेरी रक्षा करूँगी।' यह वाक्य बदलते सामाजिक संबंधों की पूरी तस्वीर सामने रखता है। भाई और बहन दोनों एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी, सहायक और संरक्षक हो सकते हैं।

तकनीक ने भी रक्षाबंधन मनाने के तौर-तरीकों को बदल दिया है। पहले राखी भेजने के लिए डाकघर जाना पड़ता था, जबकि आज डिजिटल राखियाँ, वीडियो कॉल, ऑनलाइन गिफ्टिंग और वर्चुअल समारोह रिश्तों को जोड़ने के नए माध्यम बन गए हैं। विदेशों या दूर-दराज के शहरों में रहने वाले भाई-बहन भले शारीरिक रूप से एक-दूसरे से दूर हों, लेकिन वीडियो कॉल के माध्यम से राखी बाँधने और शुभकामनाएँ देने की परंपरा ने दूरी को कम करने का नया रास्ता दिया है।

कुछ लोग डिजिटल माध्यमों को भावनाओं की कमी से जोड़ सकते हैं, लेकिन वास्तविकता यह भी है कि तकनीक ने दूरियों के बीच भावनात्मक संपर्क बनाए रखना आसान किया है। माध्यम बदला है, भावना नहीं।

उपहारों के संदर्भ में भी रक्षाबंधन की परंपरा बदल रही है। पहले भाई द्वारा बहन को मिठाई और उपहार देना प्रेम की अभिव्यक्ति माना जाता था। आज कई बहनों की प्राथमिकता अलग है। वे कहती हैं– 'भैया, गिफ्ट नहीं चाहिए, थोड़ा समय चाहिए; फुर्सत चाहिए; समझ चाहिए। '

यह बदलाव आधुनिक महिला की बदलती आकांक्षाओं को दर्शाता है। आज की बहन आत्मनिर्भर है। वह केवल आर्थिक उपहार नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, मानसिक सहयोग, सम्मान, संवाद और बराबरी की भागीदारी चाहती है। इसलिए रिश्तों में वस्तुओं की जगह समय और संवेदनशीलता का महत्व बढ़ रहा है।

परंपरागत रूप से रक्षाबंधन का अर्थ था– 'भाई बहन की रक्षा करेगा।' आज यह अवधारणा व्यापक हो रही है। लड़कियाँ आत्मनिर्भर हैं और अपने भाइयों की आर्थिक, भावनात्मक, शैक्षणिक तथा सामाजिक रूप से मदद कर रही हैं। भाई भी बहनों के सपनों और निर्णयों का साथ दे रहे हैं। इस प्रकार रक्षाबंधन अब केवल संरक्षण का नहीं, बल्कि परस्पर सहयोग और साझेदारी का पर्व बनता जा रहा है।

इसी बदलाव का एक सुंदर विस्तार प्रकृति और समाज के प्रति जिम्मेदारी में भी दिखाई देता है। कई स्थानों पर पेड़ों को राखी बाँधने की परंपरा विकसित हुई है। बच्चे और महिलाएँ वृक्षों को राखी बाँधकर यह संदेश देते हैं कि हमारी जिम्मेदारी केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है; प्रकृति भी हमारी देखभाल और संरक्षण की हकदार है। इसी तरह सैनिकों को राखी भेजना देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों के प्रति सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव को व्यक्त करता है।

यही कारण है कि रक्षाबंधन का आधुनिक स्वरूप परंपरा को नकारता नहीं, बल्कि उसके मूल भाव को और व्यापक बनाता है। राखी का धागा आज भी वही है, लेकिन उसके अर्थ का विस्तार हो गया है। अब यह केवल भाई की कलाई पर बंधा धागा नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, समानता, सहयोग और जिम्मेदारी का प्रतीक है। रक्षाबंधन अब केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक मानवीय और दार्शनिक दृष्टिकोण है–जो हमें बताता है कि प्रेम, समर्पण, समानता और पारस्परिक सम्मान से ही रिश्ते मजबूत होते हैं और समाज टिकाऊ बनता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

कम सुनाई देने से डिमेंशिया होने का खतरा... बुजुर्गों के लिए सावधानी जरूरी

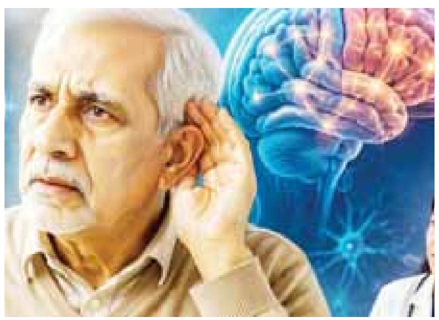

उम्र बढ़ने के साथ सुनने की क्षमता में कमी आना एक सामान्य परेशानी है। ज्यादातर बुजुर्ग इसे उम्र का सामान्य हिस्सा मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिकों ने सुनने की क्षमता में कमी और डिमेंशिया के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध देखा है। इससे एक बड़ा सवाल सामने आया है कि अगर समय रहते सुनने की समस्या का इलाज करा लिया जाए, तो क्या याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता में गिरावट को टाला जा सकता है? फिलहाल रिसर्च से इसका स्पष्ट जवाब नहीं मिलता है, लेकिन, सुनने की क्षमता और डिमेंशिया के बीच संबंध के प्रमाण अवश्य मिले हैं। जानकारों का मानना है कि अगर समय रहते सुनने की क्षमता के लिए कान की मशीन का इस्तेमाल कर लिया जाए तो इससे डिमेंशिया का जोखिम कम हो सकता है।

2024 में प्रकाशित लैंसेट आयोग की डिमेंशिया रिपोर्ट ने अनुपचारित सुनने की क्षमता में कमी को डिमेंशिया के जोखिम कारकों में शामिल किया। रिपोर्ट के अनुसार सुनने की समस्या को समय रहते पहचानना और उसको मैनेज करना डिमेंशिया के जोखिम को कम करने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि हर व्यक्ति में सुनने की समस्या ठीक करने से डिमेंशिया निश्चित रूप से रुक जाएगा। क्लीवलैंड क्लीनिक के अनुसार सुनने और मस्तिष्क के बीच संबंध को समझने के लिए वैज्ञानिकों ने कई संभावित कारण बताए हैं।

पहला कारण मानसिक मेहनत बढ़ना है। जब आवाज स्पष्ट सुनाई नहीं देती, तो मस्तिष्क को अधूरी जानकारी को समझने और बातचीत का अर्थ निकालने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण सामाजिक अलगाव है। सुनने में परेशानी होने पर व्यक्ति बातचीत, पारिवारिक कार्यक्रमों या सामाजिक गतिविधियों से बचने लग सकता है। इससे अकेलापन बढ़ सकता है। तीसरा संभावित कारण मस्तिष्क में होने वाले बदलाव हैं।

कान में लगने वाली मशीन सुनने की क्षमता सुधार सकती हैं और व्यक्ति को बातचीत, सामाजिक गतिविधियों और रोजमर्रा के वातावरण में बेहतर तरीके से जुड़ने में मदद कर सकती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि सुनने में कमी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर सुनने की जांच, जरूरत के अनुसार सुनने की मशीन या अन्य उपचार, सामाजिक संपर्क बनाए रखना, नियमित व्यायाम, अच्छी नींद और रक्तचाप-शुगर जैसे स्वास्थ्य जोखिमों को नियंत्रित करना उम्र बढ़ने के साथ मस्तिष्क के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल का हिस्सा हो सकता है।

निशाना

जैंसे छप्पन भोग मिले

रामकिशोर नाविक

प्यारे मीठे लोग मिले
जैंसे छप्पन भोग मिले
आँखो में हरियाली है
सुंदर दर्श सुयोग मिले
हर रिश्ते से नेह मिला
नदी नाव संयोग मिले
ईश्वर तेरी कृपा रही
जो चाहे वे योग मिले
अंतिम है अरदास यही
सुंदर मौत निरोग मिले।

सोशल मीडिया

चीन के 'यूट्यूब' Bilibili ने शुरू किया पैसा बांटना, एक हजार Views पर 60 रुपये कमाई

अगर आप भी एक वीडियो क्रिएटर हैं, तो बड़ी खबर है। दरअसल चीनी वीडियो प्लेटफॉर्म Bilibili चीन से बाहर निकलकर सीधा यूट्यूब को टक्कर देने की तैयारी में है। दरअसल सोशल मीडिया पर खबरें हैं कि यह चीनी वीडियो प्लेटफॉर्म क्रिएटर्स को 1,000 व्यूज पर 0.70 डॉलर यानी कि करीब 60 रुपये की पेमेंट कर रहा है। इसे सीधे तौर पर यूट्यूब को चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है और इस खबर ने ग्लोबल स्तर पर कंटेंट क्रिएटर्स का ध्यान अपनी ओर खींचा है। गौर करने वाली बात है कि पिछले कुछ दिनों से नए मोनेटाइजेशन नियम, इंटरनेशनल ऐप के रीलॉन्च और ब्रैंड स्पॉन्सरशिप के नए मौके Bilibili को चर्चा के केंद्र में ले आए हैं। हालांकि इस ऐप के भारत में आने को लेकर अभी भी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर चर्चा है कि अगर किसी क्रिएटर के 1 मिलियन व्यूज आते हैं, तो करीब 700 डॉलर यानी की लगभग 58,000 से 60,000 रुपये की कमाई हो पाएगी। हालांकि कंपनी ने इस पेआउट रेट की कोई ऑफिशियल पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट्स के अनुसार Bilibili के ऑफिशियल क्रिएटर प्रोग्राम डॉक्यूमेंटेशन में किसी भी फिक्स्ड पेमेंट का जिक्र नहीं है। उनके नियमों के मुताबिक किसी भी क्रिएटर की कमाई अलग-अलग पहलुओं पर निर्भर करती है। जैसे कि वीडियो देखने वाले दर्शक किस देश से हैं? उस कंटेंट पर विज्ञापन देने वालों का बजट क्या है या कंटेंट किस कैटेगरी में आता है? ध्यान देने वाली बात है कि इनवैलिड ट्रैफिक, धोखाधड़ी, रिफंड, टैक्स और पॉलिसी नियमों के उल्लंघन के आधार पर अनुमानित रेवेन्यू में बदलाव संभव है।

मोनेटाइजेशन की शर्तें: रिपोर्ट्स के मुताबिक Bilibili पर कमाई करने के लिए यूट्यूब की तरह ही कुछ जरूरी शर्तों को पूरा करना पड़ता है। जैसे किः क्रिएटर के चैनल पर कम से कम 100 सब्सक्राइबर्स और 2,000 वैलिड पब्लिक व्यूज होने चाहिए। इसके अलावा चैनल की ओरिजनैलिटी, कॉपीराइट नियमों का पालन और कम्युनिटी गाइडलाइंस को ठीक से फॉलो किया जाना भी जरूरी है। बल लेवल पर अपनी पहचान बनाने के लिए कई कोशिशें कर रहा है। इसी वजह से कंपनी अपने अपने इंटरनेशनल ऐप को दोबारा लॉन्च किया है और अंग्रेजी भाषा में नई वेबसाइट पर भी काम चल रहा है। कंपनी ने अमेरिका, यूरोप, जापान और लैटिन अमेरिका जैसे बाजारों में कम्युनिटी मैनेजर्स की भर्ती शुरू की है।

अजब - गजब

जमीन के नीचे गड्ढे खोदकर बनाए जाते हैं रहस्यमयी घर, 1000 साल से रह रहे हैं लोग

जब भी हम किसी के घर की कल्पना करते हैं, तो हमारे दिमाग में ईंट, सीमेंट और छत से बनी एक ऐसी इमारत आती है, जो जमीन के ऊपर खड़ी होती है। लेकिन दुनिया में एक ऐसी जगह भी है, जहां लोग जमीन के ऊपर घर बनाने के बजाय जमीन के अंदर गड्ढा खोदकर रहते हैं। ये बिल्कुल पाताल लोक का अहसास दिलाता है। हम बात कर रहे हैं ट्यूनीशिया के दक्षिणी इलाके में बसे मातमाता (Matmata) नाम के एक छोटे से गांव की, जो अपनी इसी अनोखी बनावट की वजह से पूरी दुनिया में जाना जाता है। आमतौर पर गर्म इलाकों में लोग गर्मी से बचने के लिए पहाड़ों को काटकर गुफाएं बनाते हैं। लेकिन मातमाता गांव के बर्बर समुदाय के लोगों ने बिल्कुल अलग तरीका अपनाया। उन्होंने पहाड़ की दीवारों को काटने के बजाय सीधी जमीन में ही एक बहुत बड़ा और गहरा गड्ढा खोद दिया।

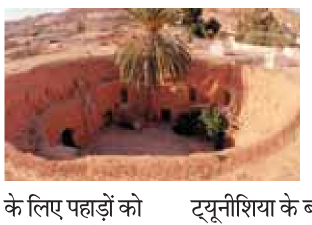

इस बड़े गड्ढे को वे अपने घर का आंगन बनाते हैं और फिर उस गड्ढे की अंदरूनी दीवारों को खोदकर चारों तरफ कमरे तैयार करते हैं। कई बार तो आसपास बने ऐसे कई गड्ढों को आपस में जोड़ने के लिए जमीन के नीचे ही खंदक जैसी सुरंगें बना दी जाती हैं, जिससे यह पूरा इलाका एक बड़ी भूलभुलैया जैसा लगता है। अब सवाल यह उठता है कि जमीन के अंदर इतने बड़े गड्ढे और कमरे खोदना कैसे आसान हुआ? दरअसल, मातमाता का यह पूरा इलाका बलुआ पत्थर की एक ऐसी परत पर बसा है जो बहुत ही नरम होती है। इसे हाथ के साधारण औजारों से भी आसानी से खोदा जा सकता है। लेकिन खास बात यह है कि यह पत्थर जितना खोदने में आसान है, सदियों तक बिना गिरे टिके रहने में उतना ही मजबूत भी है। बर्बर समुदाय के लोग पिछले एक हजार से भी ज्यादा सालों से इसी तरीके से जमीन के अंदर अपने आशियाने बनाते आ रहे हैं। इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलता है कि यह इलाका लीबिया और ट्यूनीशिया के बीच का एकमात्र मैदानी रास्ता हुआ करता था। इस वजह से पुराने जमाने में विदेशी हमलावर बार-बार यहां से गुजरते थे और लूटपाट मचाते थे। हमलावरों से अपनी जान और माल बचाने के लिए बर्बर समुदाय के लोगों ने सुरक्षा के लिहाज से जमीन के नीचे एक तरह से पाताल लोक में छिपकर रहना शुरू किया।

दुनिया भर में मशहूर फिल्म स्टार वॉर्स की शूटिंग इसी गांव में हुई थी। फिल्म के मुख्य किरदार ल्यूक स्काईवॉकर का जो घर पर्दे पर दिखाया गया था, वह असल में मातमाता का ही एक अंडरग्राउंड होटल है, जिसका नाम सिदी द्रिस है।

न्यूज विंडो

भोपाल-जबलपुर हाईवे-45 से 3 किमी दूर गांवों में जाने को पक्की सड़क नहीं

नरसिंहपुर। जिले के कई गांव आज भी पक्की सड़क जैसी मूलभूत सुविधा के लिए तरस रहे हैं। करेली जनपद की कुम्हरोड़ा पंचायत के ग्राम बिलगुंवा टोला के गांव की तीन किमी सडक़ कच्ची है, गांव तक बारिश में न तो एंबुलेंस आती है और न ही अन्य वाहन। गांव के बच्चे कीचड़ भरी सडक़ से स्कूल जाने लाचार हैं। रास्ते में अंग्रेजी शासनकाल का पुल भी जर्जर हो चुका है। इससे हर समय खतरे की आशंका है। भोपाल-जबलपुर हाईव-45 से महज तीन किमी दूर बसे गांव तक पहुंचना आज भी मुश्किल हो रहा है। वर्षों से ग्रामीण सड़क की मांग कर रहे हैं। अब ग्रामीणों का सब्र जवाब दे रहा है। उन्होंने कलेक्ट्रेट जाकर गुहार लगाई। सड़क़ न होने से श्मशान पहुंचना भी आसान नहीं है। हालत यह है कि आपात स्थिति में यहां एंबुलेंस तक नहीं पहुंच पाती है।

देवास में दो मिठाई विक्रेताओं के यहां एनालॉग मावा, देर रात दुकानें सील

देर रात कार्रवाई करती प्रशासन की टीम।

देवास। प्रशासन और खाद्य एवं सुरक्षा प्रशासन की टीम ने बुधवार दो मिठाई विक्रेताओं की दुकान व गोदाम पर छापा मारा। जांच में दोनों जगह बड़ी मात्रा में एनालॉग मावा के खाली बैग, भरे बैग व बनी हुई मिठाइयां मिलीं। दोनों प्रतिष्ठान सील कर दिए हैं। नायब तहसीलदार कपिल गुर्जर व खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेंद्र ठाकुर के नेतृत्व में टीम रात में सबसे पहले नयापुरा क्षेत्र में संचालित एक मिठाई दुकान पर पहुंचीं। यह दुकान अंकुर गुप्ता की है। टीम को यहां 220 किलो एनॉलाग मावे के खाली बैग मिले। 52 किलो एनालॉग मावा मिला। यहां इस मावे से मिठाई बनाई जा रही थी। इसके बाद टीम ने नयापुरा के बाद भोपाल चौराहा स्थित जोधपुर स्वीट्स के गोदाम पहुंची। यहां 600 किलो एनालॉग मावा के खाली बैग व 72 एनालॉग मावा के भरे हुए बैग मिले। इनसे 600 किलो के आसपास मिठाई का भंडारण था। टीम ने मिठाई, मावा सहित बैग गोदाम में रखवाकर उसे सील कर दिया।

गुजरात से आ रहा था मावा: प्रशासन ने दुकानदारों ने पूछताछ की तो पता चला कि गुजरात की किसी कंपनी से एनालॉग मावा की सप्लाई की जा रही थी। ऐसे में अब खाद्य एवं सुरक्षा प्रशासन की टीम पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि जब इतनी बड़ी मात्रा में शहर में एनालॉग मावा खपाया जा रहा है तो आज तक उन्हें भनक क्यों नहीं लगी, फिलहाल दोनों जगहों से टीम ने सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं।

परिवहन का विशेष चेकिंग अभियान 10.55 लाख से अधिक टैक्स वसूली

धार। जिला परिवहन विभाग द्वारा विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हृदेश यादव के नेतृत्व में परिवहन उप निरीक्षक कुमारी दिव्या पाटीदार, सहायक वर्ग-2 मधुकर सिसोदिया एवं टीम द्वारा विभिन्न वाहनों की सघन जांच की गई। धार जिले के बगड़ी एवं घाटा बिल्लौद क्षेत्र में वाहनों की विशेष चेकिंग की गई। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई की गई। करीब 2.16 लाख रुपए जुर्माना वसूला। एक यात्री बस भी जब्त की। उससे 6.57 लाख रुपए का बकाया टैक्स जमा कराया गया। एक डंपर भी जब्त कर 1.82 लाख रुपए जमा कराए। अभियान के दौरान 6 अन्य वाहन भी जब्त किए गए।

करंट से बैल की मौत, किसान बोले-बिजली कंपनी की गलती, मुआवजा दें

तेंदूखेड़ा/तेजगढ़। विद्युत वितरण केंद्र हर्रई-तेजगढ़ अंतर्गत ग्राम पतलोनी में विद्युत ट्रांसफार्मर से निकली डोरी की चपेट में आने से किसान के बैल की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद किसान ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शासन-प्रशासन से उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। किसान परम सिंह लोधी ने बताया कि ट्रांसफार्मर से निकली डोरी की चपेट में आने से उनके बैल को विद्युत करंट लग गया। उसकी मौत हो गई। इससे किसान को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। किसान के अनुसार बैल खेती-किसानी के काम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे और परिवार की आजीविका का प्रमुख सहारा थे। अब उनकी खेती पर असर पड़ेगा।

मंदिर से शिवलिंग चोरी, अज्ञात आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत

तेंदूखेड़ा। शिव मंदिर से चोरों ने शिवलिंग ही चुरा ली। घटना से मोहल्ले में आक्रोश है। गांव के लोगों ने रोज की तरह 25 अगस्त की रात 8 बजे पूजा की। आरती के बाद मंदिर का गेट बंद कर दिया। 26 अगस्त को सुबह 7 बजे मंदिर का गेट खोला तो शिवलिंग गायब था। करीब 7 बजे मोहल्ले के नेतराम अहिरवार ने इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। इसके बाद नेतराम अहिरवार सहित मोहल्ले के अन्य लोगों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। मौके पर अन्नी अहिरवार और संतोष चक्रवर्ती भी मौजूद थे। मामले की रिपोर्ट दर्ज कराने शिकायतकर्ता ने नेतराम अहिरवार के साथ थाना पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर ने बताया कि मामले में एफआइआर की गई है।

रेप के आरोपियों को ले रही पुलिस को रोका, कहा-जुलूस निकालें

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

छात्रा से दुष्कर्म के आरोपियों को पिपरिया कोर्ट ले जा रही पुलिस को पचमढ़ी बाजार में ही युवाओं ने रोका और आरोपियों को नीचे उतारने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस से झूमाझटकी भी की। युवा आरोपियों को बाजार में पैदल ले जाने की मांग कर रहे थे। पुलिस के जवानों ने युवाओं को समझाने का प्रयास भी किया। लेकिन युवा नहीं माने। उन्होंने कहा, आरोपी ने जघन्य कांड किया है। उनका जुलूस निकालना चाहिए। इसके बाद पुलिस बस स्टैंड चौकी से सीईओ बंगले तक आरोपियों को पैदल ले गई। रास्तेभर आरोपियों से कहलवाया गया कि वे लोग पचमढ़ी के नहीं हैं।

थाना प्रभारी गोपाल घासले ने बताया कि आरोपी हरिओम, पवन और अभिषेक को लेकर पुलिस जंगल के बीच घटनास्थल पर गई। वहां से पीड़िता को बांधने में इस्तेमाल की गई रस्सी बरामद की गई। बस स्टैंड स्थित रेस्टोरेंट की तलाशी भी ली। इसी रेस्टोरेंट में आरोपी काम करते थे। वहां से आरोपियों के कपड़े भी बरामद किए हैं। आरोपी बनखेड़ी के ग्राम तिलवाड़ा के निवासी हैं। वे रोजगार के लिए आए थे।

बजरंग दल पूर्व से कर रहा था जुलूस निकालने की मांग, पुलिस नहीं मानी

बजरंग दल पचमढ़ी शाखा के प्रियांशु बेन ने बताया कि संगठन की ओर से पुलिस से लगातार आरोपियों का जुलूस निकालने की मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सुबह से ही पुलिस अधिकारियों के संपर्क में थे, लेकिन प्रारंभिक तौर पर उनकी मांग स्वीकार नहीं की गई।

पचमढ़ी की छवि पर लगे दाग, इसलिए धोने को आगे आए लोग

हिल स्टेशन पचमढ़ी देश-विदेश के पर्यटकों के लिए प्रमुख पर्यटन स्थल है। इस तरह की घटना से शहर की छवि खराब होने की आंशका बन गई है। बजरंग दल संगठन ने मांग की कि आरोपियों की ओर से एक वीडियो भी जारी कराया जाए, जिसमें उनके पचमढ़ी के मूल निवासी नहीं होने की बात स्पष्ट की जाए। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस से मांग की, ऐसी व्यवस्था बनाई जाए ताकि पचमढ़ी में महिला पर्यटक और भी ज्यादा सुरक्षित महसूस कर सकें। नर्मदापुरम एएसपी अभिषेक राजन का कहना है कि आरोपियों को पिपरिया कोर्ट ले जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस वाहन को रोका गया। शासकीय कार्य में बाधा डालने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। पचमढ़ी में महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस लगातार काम कर रही है। दुष्कर्म की इस घटना के बाद पुलिस अलर्ट मोड पर है। और बेहतर व्यवस्था बनाएंगे।

फूड प्वॉइजनिंग की आशंका, पीएम रिपोर्ट से होगा खुलासा

खाना खाने के बाद 3 बच्चियों की मौत, 1 ने इटारसी में तोड़ा दम

नर्मदापुरम/इटारसी। दोपहर मेट्रो

इंदौर के पास पीथमपुर (धार जिला) में रह रहे छत्तीसगढ़ के एक परिवार पर दो दिनों में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। खाना खाने के बाद तबीयत बिगड़ने से तीन मासूम बच्चियों की मौत हो गई। दो बच्चियों की मौत पीथमपुर में होने के बाद परिजन उनके शव एंबुलेंस से पैतृक गांव जांजगीर-चांपा ले जा रहे थे। इसी दौरान इटारसी के पास तीसरी बच्ची की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे पहले सुखतवा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में इटारसी के सरकारी अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान बच्ची ने दम तोड़ दिया। मृतक बच्चियों की उम्र 5, 8 और 10 वर्ष बताई गई है। प्रारंभिक तौर पर खाना खाने के बाद तीनों की तबीयत बिगड़ने के कारण फूड प्वॉइजनिंग की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम और आवश्यक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। थाना प्रभारी सौरभ पांडे के अनुसार, तीनों बच्चियां मूलतः जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ की रहने वाली थीं। पिता नरेंद्र सिंह पीथमपुर में एक कंपनी में नौकरी करते हैं।

यादें अब मोबाइल में ही कैद

पुलिस के मुताबिक पीथमपुर के अस्पताल में मृत दोनों बच्चियों के शव बिना पोस्टमार्टम कराए परिजनों को सौंपे गए थे। अब घटना की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर फूड प्वॉइजनिंग की आशंका है, क्योंकि खाना खाने के बाद ही तीनों बच्चियों की तबीयत बिगड़ी थी। पुलिस तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराने की कार्रवाई कर रही है। जरूरत पड़ने पर बिसरा जांच भी कराई जाएगी। गुरुवार सुबह 11 बजे तक तीनों शवों का पोस्टमार्टम नहीं हो सका था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा।

तबीयत इतनी बिगड़ी कि डॉक्टर के पास पहुंचने से पहले ही दो की उखड़ी सांस

नरेंद्र सिंह का पूरा परिवार पीथमपुर में ही रह रहा था। बताते हैं कि दो दिन पहले रात करीब 2 बजे परिवार ने दाल, चावल, रोटी और सब्जी खाई थी। इसके बाद तीनों को उल्टी-दस्त शुरू हो गए। हालत बिगड़ने लगी। माता-पिता तीनों को इलाज के लिए अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने दो बच्चियों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन दोनों बच्चियों के शव एंबुलेंस से अंतिम संस्कार के लिए जांजगीर-चांपा स्थित पैतृक गांव ले जाने के लिए रवाना हुए। बुधवार रात एंबुलेंस में मौजूद तीसरी बच्ची की तबीयत भी बिगड़ गई। परिजन सुखतवा स्वास्थ्य केंद्र ले गए। डॉक्टरों ने गंभीर हालत में उसे इटारसी अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

बेतवा नदी के पुल पर आत्महत्या करने पहुंचा युवक, टीआई ने बचाया

गंजबासौदा। सिरोंज रोड स्थित बेतवा नदी के पुल पर एक युवक आत्महत्या करने के इरादे से पहुंच गया। युवक ने पहले अपने ऑटो को नदी में गिराने की कोशिश की, लेकिन ऑटो का आधा हिस्सा पुल से लटक गया। युवक भी गंभीर खतरे में आ गया। ऐन वक्त पर पहुंचे देहात थाना प्रभारी जयकुमार सिंह की नजर युवक पर पड़ी। उन्होंने दौड़कर युवक को पकड़ लिया। काफी मशक्कत कर पुल से लटक रहे ऑटो को भी नदी में गिरने से बचा लिया। थाना प्रभारी सिंह ने बताया कि वे बेतवा पुल पर पानी की स्थिति देखने और जलस्तर का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर एक युवक पर पड़ी, जो अपने ऑटो को नदी में गिराने का प्रयास कर रहा था। ऑटो का आधा हिस्सा पुल से बाहर लटक चुका था और किसी भी समय वह नदी में गिर सकता था। तभी युवक को देखा और उसे बचाने का प्रयास किया। पूछताछ में युवक ने बताया कि वह आत्महत्या करने के इरादे से आया था। उसने सबसे पहले अपने ऑटो को नदी में गिराने की कोशिश की थी। समय रहते थाना प्रभारी की नजर पड़ जाने से एक बड़ी अनहोनी टल गई। पुलिस ने युवक से पूछताछ कर मामले की जानकारी ली और उसे समझाइश दी।

रतलाम में वॉट्सएप मैसेज पर आधी रात उमड़ा हिंदू समाज, इस बार गणेश विसर्जन में सामूहिक जुलूस

रतलाम। दोपहर मेट्रो

रतलाम में बुधवार देर रात वॉट्सएप मैसेज वायरल होने के करीब दो घंटे बाद बड़ी संख्या में हिंदू समाजजन त्रिवेणी मुक्तिधाम पर एकजुट हो गए। रात 12 बजे तक युवाओं की टोलियां भगवा गमछा पहने 'जय-जय श्री राम' के नारे लगाते हुए मुक्तिधाम के बाहर पहुंचीं। यहां आगामी अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन का चल समारोह सामूहिक रूप से निकालने का निर्णय किया गया। वॉट्सएप मैसेज के बाद देर रात मुक्तिधाम पर लोगों की संख्या लगातार बढ़ती गई। युवाओं के साथ व्यापारी, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग, भाजपा कार्यकर्ता और आम नागरिक भी पहुंचे। लोगों ने आगामी अनंत चतुर्दशी को लेकर सामूहिक आयोजन की बात कही। इस दौरान रतलाम की सड़कों पर एक से डेढ़ लाख हिंदू समाजजनों के एकत्र होने का आह्वान किया गया। मुक्तिधाम पर हुई चर्चा में तय किया गया कि 6 सितंबर को जेएमडी पैलैस में हिंदू समाज की बड़ी बैठक होगी। इसमें अनंत चतुर्दशी के आयोजन समेत अन्य मुद्दों पर आगे के निर्णय किए जाएंगे। कहा गया, गणेश विसर्जन में अलग-अलग चल समारोह निकालने के बजाय इस बार सामूहिक आयोजन किया जाएगा।

वॉट्सएप मैसेज वायरल होने के बाद पुलिस भी सक्रिय रही। भीड़ के बीच सिविल ड्रेस में पुलिस जवान मौजूद रहे और पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी गई। भीड़ समाप्त होने के बाद एएसपी राकेश पंद्रो त्रिवेणी मुक्तिधाम पहुंचे। देर रात हुए इस जमावड़े को बुधवार को निकले ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के बाद की प्रतिक्रिया से जोड़कर भी देखा जा रहा है। ईद मिलादुन्नबी का जुलूस सुबह 8.30 से शाम 4 बजे तक चला था, जिससे प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक बाधित हुआ था।

ग्रामीणों ने कहा-पुरानी शर्तों का पालन कराएं

अमाडांड में पर्यावरणीय सुनवाई से पहले उठे सवाल

अनूपपुर/कोतमा। दोपहर मेट्रो

अमाड़ांड ओपनकास्ट कोयला खदान क्षेत्र में प्रस्तावित पर्यावरणीय जनसुनवाई से पहले ग्रामीणों ने पर्यावरणीय नियमों के अनुपालन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछली पर्यावरणीय स्वीकृतियों में तय की गई शर्तों और पर्यावरण संरक्षण के उपायों का जमीनी स्तर पर कितना पालन हुआ, इसकी स्वतंत्र जांच किए बिना नई जनसुनवाई कराना उचित नहीं है।

खास यह है कि सरकारी पर्यावरणीय रिकॉर्ड में अमाड़ांड परियोजना के बफर क्षेत्र में स्लॉथ बीयर (भालू) की मौजूदगी दर्ज की गइ्र है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन्यजीव संरक्षण, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, भूजल, धूल, ब्लास्टिंग और कोयला परिवहन जैसे मुद्दों पर पहले से ही सवाल उठते रहे हैं। 2019 की जनसुनवाई में भी भूजल स्तर में गिरावट, वाहनों से वायु प्रदूषण, मकानों में दरार, सड़क दुर्घटनाएं, खुले ट्रकों में कोयला परिवहन और भूमि की उर्वरता कम होने जैसे मुद्दे दर्ज हुए थे। ग्रामीणों का कहना है कि 'जब पुराने पर्यावरणीय दायित्वों के वास्तविक अनुपालन की स्थिति स्पष्ट नहीं है, तो नई जनसुनवाई किस आधार पर कराई जा रही है?'पहले स्वतंत्र टीम से स्थल निरीक्षण कराया जाए। पुरानी हर शर्त की अनुपालन रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और वन्यजीव संरक्षण योजना का वास्तविक मूल्यांकन किया जाए। बता दें कि सरकारी रिकॉर्ड में अमाड़ांड ओपनकास्ट खदान की क्षमता विस्तार का प्रस्ताव भी दर्ज है। श्वष्ट ने उस समय वन्यजीवों और स्थानीय पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को भी विचार-विमर्श में दर्ज किया था।

मेट्रो एंकर

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर युवा संवाद-राष्ट्र निर्माण और भारतीय संस्कृति पर मंथन

आंदोलन में अभद्र भाषा पर युवाओं को सीख-विचार विकसित करें

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में जिला इकाई ने एसजीएस कॉलेज में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, भारतीय संस्कृति, संस्कार, सेवा, अनुशासन और समर्पण जैसे विषयों पर युवाओं के साथ संवाद हुआ। मुख्य वक्ता संघ के मध्य क्षेत्र प्रचार प्रमुख कैलाशचंद्र थे। अध्यक्षता कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता विनोद गर्ग ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। फिर युवाओं ने भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद, शिक्षा, पश्चिमी प्रभाव, सामाजिक परिस्थितियों और आंदोलन के तौर-तरीकों से जुड़े सवाल किए। कैलाशचंद्र ने जवाब दिए। कहा, राष्ट्र निर्माण की शुरुआत व्यक्ति के चरित्र निर्माण से होती है। आधुनिक शिक्षा और तकनीकी दक्षता के साथ संस्कार, अनुशासन, सेवा और समर्पण भी जरूरी हैं।

जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन का भी जिक्र

कैलाशचंद्र ने कहा कि भारत को पश्चिम की नजर से नहीं, अपनी दृष्टि से समझने की जरूरत है। हमारे पूर्वजों ने भारत को केवल भूखंड नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना के रूप में देखा। भारतीय संस्कृति ने ज्ञान, कर्तव्य, मूल्य और लोककल्याण को सदैव महत्व दिया है। युवा संवाद के दौरान दिल्ली में जंतर-मंतर पर हाल में ही हुए आंदोलनों के तौर-तरीकों को लेकर भी सवाल उठे। युवाओं ने पूछा कि अपनी मांगों के लिए आंदोलन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन क्या अभद्र भाषा, व्यक्तिगत अपमान और सामाजिक मर्यादाओं के विपरीत व्यवहार उचित है। इस पर कैलाशचंद्र ने कहा कि युवाओं को अपने विचार तर्क, अध्ययन और अनुभव के आधार पर विकसित करने चाहिए।

संघ का आह्वान-राष्ट्र निर्माण को आगे आएं युवा

कैलाशचंद्र ने युवाओं से आधुनिक तकनीक और ज्ञान का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, युवा, शिक्षक, संघ पदाधिकारी और स्वयंसेवक उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान युवाओं में उत्साह और वैचारिक जागरूकता का माहौल दिखाई दिया। बता दें, दिल्ली में जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन और उनकी भाषा शैली से भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में कई तरह की चर्चा चल रही है। इसे लेकर संघ और भाजपा दोनों ही गंभीर हैं। इसी कड़ी में युवाओं से संवाद के तरीके बढ़ाए जा रहे हैं। उनकी समस्याओं को जानने के प्रयास किए जा रहे हैं। सूत्र बताते हैं, बड़ी संख्या में छात्रों का भाजपा को नापसंद करना चुनाव में बड़ा नुकसान कर सकता है। दोनों ही इकाइयों ने युवाओं के साथ जेन-जी को साधने की कवायद भी कर रही है। कई मंत्रियों को भी इसका जिम्मा दिया गया है।

कूनो नेशनल पार्क में लापता हुई मादा चीता निर्वा का अभी तक नहीं लगा सुराग, 100 वनकर्मी तलाश में जुटे

श्योपुर। दोपहर मेट्रो

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता निर्वा एक बार फिर वन विभाग की निगरानी से बाहर हो गई है। पिछले चार-पांच दिनों से उसके सैटेलाइट कॉलर आईडी के सिग्नल नहीं मिल रहे हैं। इसके बाद पांच टीमें बनाकर 100 से अधिक वनकर्मियों को जंगल में तलाश के लिए उतारा गया है। संभावित क्षेत्रों में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही है।

पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ डॉ. समीता राजोरा के मुताबिक निर्वा के बीएचएफ सिग्नल मिल रहे हैं, लेकिन इसकी प्रभावी रेंज करीब 500 मीटर ही है। बारिश के कारण सैटेलाइट सिग्नल प्रभावित होने की संभावना भी जताई गई है। सीमित रेंज के कारण वनकर्मियों के सामने जंगल के बड़े हिस्से में सर्चिंग की चुनौती है।

निर्वा पहले भी निगरानी से बाहर रह चुकी है। जुलाई 2023 में उसकी लोकेशन करीब 22 दिन तक नहीं मिली थी। बाद में करीब छह घंटे के अभियान के बाद उसका पता लगाया गया था। इस बार उसके नर और मादा शावक भी उससे अलग हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार शावकों का स्वतंत्र जीवन के लिए मां से अलग होना स्वाभाविक प्रक्रिया है।

वहीं वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने निर्वा के सिग्नल नहीं मिलने पर कूनो प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। फिलहाल वन विभाग बीएचएफ सिग्नल, ड्रोन और सीसीटीवी के सहारे निर्वा की तलाश में जुटा है।

2023 में भी 22 दिन रही थी निगरानी से बाहर

निर्वा के सिग्नल गायब होने की यह पहली घटना नहीं है। जुलाई 2023 में भी उसकी सैटेलाइट कॉलर आईडी से लोकेशन मिलना बंद हो गई थी और वह करीब 22 दिनों तक वन विभाग की निगरानी से बाहर रही थी। उस समय उसकी तलाश के लिए अभियान चलाया गया था और करीब छह घंटे की कार्रवाई के बाद उसे पकड़ लिया गया था। अब दोबारा सिग्नल नहीं मिलने से कूनो प्रबंधन की चिंता बढ़ गई है। इस बार भी विभाग ने जंगल में कई टीमें तैनात की हैं। अधिकारियों को उम्मीद है कि बीएचएफ सिग्नल और आधुनिक निगरानी उपकरणों की मदद से निर्वा का जल्द पता लगा लिया जाएगा। फिलहाल सर्चिंग लगातार जारी है।

शावक हुए अलग, वन्यजीव कार्यकर्ता ने उठाए सवाल

निर्वा के साथ मौजूद नर और मादा शावक अब उससे अलग होकर स्वतंत्र जीवन जी रहे हैं। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह वन्यजीवन की सामान्य प्रक्रिया है। जब शावक स्वयं शिकार करने और जीवनयापन करने में सक्षम हो जाते हैं, तो वे मां से अलग हो जाते हैं। वहीं वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने निर्वा के सिग्नल नहीं मिलने के मामले में कूनो प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पार्क में वन्यजीवों की सुरक्षा और निगरानी से जुड़े मुद्दों का हवाला देते हुए व्यवस्थाओं की समीक्षा की जरूरत बताई।

न्यूज विंडो

उज्जैन में ढाबे में दो पक्षों में जमकर विवाद, देर रात चले हथियार, दो की मौत

उज्जैन। उज्जैन के कानीपुरा स्थित लक्की दरबार ढाबे पर बुधवार की देर रात करीब 2 बजे करणी सेना से जुड़े दो गुटों के बीच जमकर वोट विवाद हुआ। इस दौरान कहासुनी के बाद एक पक्ष ने अपने साथियों को फोन कर बुलाया। कुछ ही देर में 12 से 15 लोग हथियार लेकर ढाबे पर पहुंचे और दूसरे गुट पर हमला कर दिया। घटना में दो लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही चिमनगंज थाना प्रभारी विवेक कनोडिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के साथ घायल के बयान दर्ज किए हैं। हत्या में शामिल आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नीमच में 200 वर्ष पुराने मंदिर में बाधक हाईवे का विरोध, हनुमान चालीसा पाठ

नीमच। नीमच शहर में निर्माणाधीन सिटी फोरलेन परियोजना को लेकर विवाद बढ़ गया है। प्राइवेट बस स्टैंड के पास स्थित करीब 200 वर्ष पुराने माधवपुरी बालाजी मंदिर के अस्तित्व और पहुंच मार्ग को लेकर बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद, मंदिर समिति और हिंदू समाज के युवाओं ने विरोध जताया। मंगलवार रात बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकजुट हुए। सभी ने मंदिर परिसर में एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं, सभी कार्यकर्ता मेन रोड पर ही बैठ गए और देर रात क हनुमान चालीसा का पाठ करते रहे। इससे करीब आधे घंटे तक मार्ग बाधित हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। बाद में पुलिस प्रशासन ने व्यवस्थाएं बनाईं।

बिज्जू महाराज की माता का निधन

अनूपपुर। देवी मढ़िया रोड निवासी सतानंद तिवारी की धर्मपत्नी एवं विजय तिवारी (बिज्जू) महाराज की पूज्य माताजी का बीती रात हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई। वे अपने पीछे दो पुत्र, तीन पुत्रियों एवं नाती-पोतों से भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

745 करोड़ में बनेगी इंदौर-देपालपुर के बीच 37 किमी लंबी फोरलेन रोड

इंदौर। इंदौर और देपालपुर के बीच 37 किमी लंबी फोरलेन सड़क बनाई जाएगी। इस पर 745 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सिंहस्थ के दौरान उज्जैन और इंदौर के आस-पास सड़कों को नेटवर्क को मजबूत किया जाएगा। इस सड़क को बनाने की घोषणा पिछले वर्ष 2025 नवंबर में हुई थी। अब मंजूरी मिलने के बाद सड़क बनाने का काम तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके बनने से इंदौर से देपालपुर सहित उससे आगे जाने वालों के लिए भी राह आसान होगी। यह सड़क देपालपुर से इंगोरिया जाने वाले वाहनों के लिए भी उपयोगी साबित होगी। इससे जावरा, नागदा और उज्जैन जाने वाले लोगों को एक नया रास्ता मिलेगा। इस सड़क के बनने से देपालपुर में ट्रैफिक की समस्या भी सुलझने की उम्मीद है। अभी इंदौर से देपालपुर का रास्ता टू-लेन का है। इस पर ट्रकों सहित यात्री बसें और अन्य वाहन गुजरते हैं। ऐसे में इस सड़क पर वाहनों का सबसे ज्यादा दबाव रहता है। कई बार जाम की स्थिति बन जाती है और ओवरटेकिंग में भी खतरा बना रहता है। सिंहस्थ के दौरान इंदौर से उज्जैन जाने वाले वाहनों की संख्या बहुत ज्यादा होगी। ऐसे में लोग फोरलेन से देपालपुर होते हुए उज्जैन पहुंच सकेंगे। यह उज्जैन पहुंचने के लिए एक नया रास्ता होगा।

रक्षाबंधन : बस संचालकों की मनमानी पर परिवहन विभाग का शिकंजा

ओवरलोडिंग और ज्यादा किराए पर 1.24 लाख रुपए का जुर्माना वसूला

धार। दोपहर मेट्रो

इंदौर। रक्षाबंधन पर्व पर बढ़ी यात्रियों की भीड़ के बीच बसों में ओवरलोडिंग और मनमाना किराया वसूलने वाले संचालकों पर परिवहन विभाग ने शिकंजा कस दिया है। रेडिसन चौराहा और स्टार चौराहा रोड क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों पर कार्रवाई की गई। विभाग ने जुर्माना लगाकर कुल 1.24 लाख रुपये की राशि वसूल की।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि बस संचालकों को निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को नहीं बैठाने और तय किराए से ज्यादा राशि नहीं लेने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। जांच के दौरान एक बस बिना वैध परमिट के संचालित मिली, जिसे जब्त कर लिया गया। वहीं बिना पंजीयन चल रही एक अन्य बस को भी कार्रवाई करते हुए जब्त किया गया। बसों में अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार पेटी और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरणों की भी जांच की गई। रक्षाबंधन के साथ सप्ताहांत के अवकाश के कारण यात्रियों की संख्या बढ़ने से बसों में भीड़ अधिक है। विभाग ने साफ किया है कि यात्रियों की मजबूरी का फायदा उठाने वाले संचालकों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। इधर, शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए ट्रैफिक साथी एप और व्हाट्सएप हेल्पलाइन भी प्रभावी साबित हो रही है। आमजन से मिली शिकायतों पर पुलिस और संबंधित टीमें मौके पर पहुंचकर यातायात बाधाओं और अवैध पार्किंग जैसी समस्याओं का त्वरित निराकरण कर रही हैं।

ट्रैफिक साथी एप बना आमजन की आवाज, 25 शिकायतों का समाधान

इंदौर में यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए ट्रैफिक साथी एप एवं ट्रैफिक व्हाट्सएप हेल्पलाइन का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। बुधवार को आमजन से यातायात संबंधी 25 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनका त्वरित निराकरण किया गया। वहीं 22 से 25 अगस्त के बीच कुल 3916 शिकायतें दर्ज हुई, जिनमें से 3892 का निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष शिकायतों पर कार्रवाई जारी है। यातायात बाधित होने की सूचना मिलने पर ट्रैफिक कंट्रोल संबंधित अधिकारियों, थाना बीट, पेट्रोलिंग पार्टी और क्रेन टीम को मौके पर भेजता है। इस व्यवस्था से नागरिक सीधे अपनी समस्या प्रशासन तक पहुंचा पा रहे हैं और शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में भागीदारी कर रहे हैं।

जाम की शिकायत मिली तो तुरंत पहुंचीं टीमें, सड़कों को कराया साफ

लसूड़िया, महावीर बाग, इमली बाजार, बड़ा गणपति, मरीमाता, कोठारी मार्केट, मालवा मिल और एमआर-10 सहित शहर के कई इलाकों से यातायात बाधित होने की शिकायतें मिलीं। इसके अलावा पालदा नाका, तीन इमली, जवाहर मार्ग और भमोरी चौराहा जैसे व्यस्त क्षेत्रों में भी जाम की स्थिति की सूचना ट्रैफिक कंट्रोल तक पहुंची। शिकायत मिलते ही संबंधित यातायात अधिकारियों, थाना बीट और पेट्रोलिंग पार्टियों को सक्रिय किया गया। जरूरत पड़ने पर क्रेन और सपोर्ट टीम की मदद से बाधक वाहनों को हटाकर यातायात सुचारु कराया गया। पुलिस का कहना है कि तकनीक के माध्यम से मिलने वाली सूचनाओं से जाम की समस्या पर तेजी से कार्रवाई संभव हो रही है और लोगों को राहत मिल रही है। बता दें कि ट्रैफिक साथी एप और हेल्पलाइन के जरिए अवैध पार्किंग, गलत नंबर प्लेट और सड़क संबंधी समस्याओं की शिकायतों पर भी कार्रवाई की जा रही है।

रिटायर्ड दरोगा ने बाबू पर 20 हजार रिश्वत मांगने का लगाया आरोप

ग्वालियर। पांच साल पहले ग्वालियर पुलिस से रिटायर्ड हुए दरोगा ने एसएसपी कार्यालय में पदस्थ बाबू उदयवीर पर 20 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। दरोगा को चार माह पहले हाई कोर्ट के आदेश पर आईजी व एसएसपी ग्वालियर द्वारा तीन वेतनवृद्धि दी गई थी।

इस हिसाब से वेतन निर्धारण व एरियर भुगतान के एवज में उदयवीर द्वारा रिश्वत मांगी गई। इस संबंध में रिटायर्ड दारोगा ने पुलिस पेंशनर संघ के साथ मिलकर शिकायत की है। वेतनवृद्धि के हिसाब से नया वेतन निर्धारण और एरियर भुगतान होना था। गुढ़ा-गुढ़ी का नाका इलाके में रहने वाले राजेंद्र सिंह कुशवाह एएसआई पद से 2021 में रिटायर हुए थे। अप्रैल माह में हाई कोर्ट के आदेश पर आईजी ग्वालियर व एसएसपी ग्वालियर द्वारा राजेंद्र को तीन वेतनवृद्धि दी गई। वेतनवृद्धि के हिसाब से नया वेतन निर्धारण अंकिक शाखा के बाबू उदयवीर व सौरभ पांडे को करना था।

राजेंद्र ने बताया कि इस हिसाब से उसे एरियर भुगतान भी होना था। चार माह बीत जाने के बाद भी बाबुओं द्वारा वेतन निर्धारण नहीं किया गया। बाबू उदयवीर एसएएफ के 13वीं बटालियन परिसर में रहता है। यहां उससे मिला तो वह बोला कि करीब आठ लाख रुपये का फायदा होगा। इसके एवज में सौरभ पांडे के नाम पर 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी।

जबलपुर में बेटे को बचाने के लिए नर्मदा में कूदा पिता, दोनों बहे

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

चरगवां के भड़पुरा घाट में नर्मदा नदी में महाराष्ट्र के जलगांव निवासी पिता-पुत्र बह गए। घाट पर दर्शन के दौरान 10 वर्षीय बेटा अचानक नदी में गिर गया। उसे बहता देख पिता ने उसे बचाने के लिए पानी में छलांग लगा दी, लेकिन तेज बहाव में दोनों बह गए।

सूचना मिलने पर चरगवां पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की मदद से देर शाम तक सर्चिंग की गई, लेकिन पिता-पुत्र का पता नहीं चल सका। गुरुवार सुबह दोबारा तलाश शुरू की जाएगी।

चरगवां पुलिस के अनुसार महाराष्ट्र के जलगांव निवासी किसान गणेश पाटिल (34) बुधवार को पत्नी रवीना पाटिल, छोटे बेटे लकी (10), बड़े बेटे विराट और करीब 10 से 15 अन्य लोगों के साथ जबलपुर आए थे। सभी भड़पुराघाट स्थित एक आश्रम में रुके थे। कुछ समय आराम करने के बाद वे नर्मदा दर्शन के लिए घाट पहुंचे। इसी दौरान लकी अचानक नदी के पानी में गिर गया और तेज बहाव में बहने लगा। बेटे को डूबता देख गणेश ने उसे बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी। लेकिन तेज बहाव के कारण गणेश भी बेटे के साथ बह गए। पिता-पुत्र को नदी में बहता देखकर मौके पर मौजूद गोताखोरों ने भी पानी में छलांग लगाकर उनकी तलाश शुरू की। हालांकि नदी में पानी अधिक और बहाव तेज होने के कारण गोताखोर दोनों तक नहीं पहुंच सके। कुछ ही देर में पिता-पुत्र पानी में दिखाई देना बंद हो गए। घटना के बाद चरगवां पुलिस ने नर्मदा के आगे आने वाले घाटों पर भी सूचना देकर अलर्ट जारी कराया है। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने स्थानीय गोताखोरों के साथ मिलकर देर शाम तक नदी में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

ग्वालियर-चंबल के 130 नर्सिंग कॉलेजों पर CBI की तलवार, हजारों छात्रों का भविष्य फिर अटका

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

ग्वालियर-चंबल संभाग के 130 नर्सिंग कॉलेजों पर सीबीआई जांच की तलवार लटकने से हजारों विद्यार्थियों की परीक्षा और भविष्य एक बार फिर अनिश्चितता में फंस गया है। कॉलेजों की मान्यता और परीक्षा की अनुमति का रास्ता अब जांच प्रक्रिया और न्यायालयीन निर्देशों से होकर गुजर रहा है।

मामले की सबसे बड़ी पेचीदगी वर्ष 2021-22 में हुई जांच से जुड़ी है। उस समय गठित 10 सदस्यीय समिति ने कॉलेजों की व्यवस्थाओं का परीक्षण किया था, लेकिन फैकल्टी डुप्लीकेसी की जांच पूरी तरह नहीं हो सकी। यही मुद्दा अब 130 कॉलेजों के लिए बड़ी अड़चन बन गया है। इनमें ऐसे संस्थान भी शामिल हैं, जिनके पास अस्पताल और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं, लेकिन वे भी जांच के दायरे से बाहर नहीं हो पा रहे हैं। न्यायालय की सख्ती के बाद कॉलेज प्रबंधन के सामने सीबीआई जांच की प्रक्रिया से गुजरने की चुनौती है। जांच और मान्यता संबंधी स्थिति स्पष्ट होने तक विद्यार्थियों की परीक्षा का रास्ता भी अटका हुआ है। इससे छात्रों का शैक्षणिक सत्र, आगे की पढ़ाई और रोजगार की योजनाएं प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। इधर, सत्र 2026-27 के लिए ग्वालियर के 38 नर्सिंग संस्थानों की जांच पूरी हो चुकी है और उनकी मान्यता के लिए मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल में स्क्रूटनी की प्रक्रिया जारी है। नई मान्यता की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, जबकि पुराने 130 कॉलेजों का मामला अभी जांच और न्यायालयीन प्रक्रिया में उलझा है।

नर्सेस एंड पैरामेडिकल काउंसिल के डायरेक्टर बीनू कुशवाह ने बताया कि वर्ष 2021-22 में सीबीआई जांच से इनकार करने वाले कॉलेज जांच के दायरे में हैं। वहीं छात्र संगठनों ने पारदर्शिता के लिए जांच का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को होने वाली परेशानी पर चिंता जताई है।

मेट्रो एंकर ट्रैफिक पुलिस की सख्ती से वाहन चालकों में हड़कंप, तेज-कर्कश आवाज और हूटर वाले वाहनों पर लगातार जारी है कार्रवाई

इंदौर में एक हजार से ज्यादा मोडिफाइड साइलेंसर पर चला रोड रोलर

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने सख्त अभियान शुरू किया है। इसी कड़ी में विजय नगर क्षेत्र में जब्त किए गए एक हजार से ज्यादा मोडिफाइड साइलेंसरों पर रोड रोलर चलाकर उन्हें नष्ट कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान यातायात विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस के अनुसार तेज और लापरवाही से वाहन चलाने, मोडिफाइड साइलेंसर लगाकर तेज एवं कर्कश ध्वनि निकालने और हूटर का नियम विरुद्ध इस्तेमाल करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। ऐसे वाहन न केवल यातायात व्यवस्था प्रभावित करते हैं, बल्कि तेज आवाज से आम लोगों को परेशानी होती है।

बीते माह से यातायात प्रबंधन पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों की अलग-अलग टीमें मुख्य मार्गों और प्रमुख चौराहों पर आकस्मिक जांच कर रही हैं। जांच के दौरान नियम विरुद्ध लगे साइलेंसर और हूटर जब्त किए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अभियान का उद्देश्य सड़क पर अनुशासन बनाए रखना और आमजन को तेज तथा कर्कश ध्वनि से होने वाली परेशानी से राहत दिलाना है।

विजय नगर में डीसीपी यातायात राजेश कुमार त्रिपाठी और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में जब्त साइलेंसरों को रोड रोलर से नष्ट किया गया। डीसीपी ने कहा कि नियमों का उल्लंघन कर तेज और कर्कश ध्वनि वाले साइलेंसर लगाने तथा इससे आम जनता में भय का माहौल बनाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस की इस कार्रवाई से ऐसे वाहन चालकों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि यातायात नियमों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जडेजा की नो-बॉल का 'दर्द' नहीं हो रहा खत्म, बना अनचाहा रिकार्ड

88 बार की गलती ने बढ़ाई टीम इंडिया की मुश्किलें

सिनसिनाटी, एजेंसी

कोलंबो टेस्ट में टीम इंडिया ने भले ही श्रीलंका पर शिकंजा कस रखा हो, लेकिन भारतीय गेंदबाजों की एक बड़ी कमजोरी सामने आ गई है। खासकर रवींद्र जडेजा की नो-बॉल लगातार टीम की परेशानी बढ़ा रही है। श्रीलंका के खिलाफ जारी मुकाबले में जडेजा के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है, जिसे कोई भी गेंदबाज अपने नाम नहीं देखना चाहेगा। टेस्ट क्रिकेट में साल 2021 से अब तक सबसे ज्यादा नो-बॉल फेंकने वाले स्पिन गेंदबाजों की सूची में रवींद्र जडेजा सबसे ऊपर हैं। जडेजा इस अवधि में 88 नो-बॉल फेंक चुके हैं। खास बात यह है कि इस सूची में उनके बाद आने वाले गेंदबाजों के आंकड़े जडेजा से काफी पीछे हैं।

जडेजा के आगे बाकी स्पिनर काफी पीछे– 2021 से अब तक टेस्ट क्रिकेट में नो-बॉल फेंकने के मामले में पाकिस्तान के नोमान अली दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने इस दौरान 40 नो-बॉल फेंकी हैं। यानी जडेजा का आंकड़ा उनसे दोगुने से भी ज्यादा है।

श्रीलंका के लसिथ एम्बुलडेनिया 33 नो-बॉल के साथ तीसरे नंबर पर हैं। इंग्लैंड के जैक लीच ने 19 बार नो-बॉल फेंकी है। वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन और अफगानिस्तान के जहीर खान के नाम 17-17 नो-बॉल दर्ज हैं। यह आंकड़ा इसलिए भी हैरान करने वाला है क्योंकि स्पिन गेंदबाजों से आमतौर पर तेज गेंदबाजों की तुलना में कम नो-बॉल की उम्मीद की जाती है। इसके बावजूद जडेजा का आंकड़ा बाकी गेंदबाजों से काफी आगे निकल चुका है।

कोलंबो में भी नहीं सुधरी परेशानी

श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट में भारतीय स्पिन आक्रमण ने अब तक कुल 10 नो-बॉल फेंकी हैं। टेस्ट जैसे अहम मुकाबले में अतिरिक्त रन देना विपक्षी टीम को मुफ्त में जीवनदान देने जैसा साबित हो सकता है। खासकर तब, जब भारत को विकेट जल्दी निकालकर मुकाबले को अपने पक्ष में पूरी तरह खत्म करना है। नो-बॉल सिर्फ एक अतिरिक्त रन नहीं देती, बल्कि कई बार बल्लेबाज को दोबारा मौका भी मिल जाता है। ऐसे में जडेजा जैसे अनुभवी गेंदबाज से इस तरह की गलती टीम प्रबंधन और प्रशंसकों के लिए चिंता का विषय बन सकती है।

टेस्ट में सबसे ज्यादा नो-बॉल फेंकने वाले स्पिनर

रवींद्र जडेजा (भारत) – 88 नो-बॉल
नोमान अली (पाकिस्तान) – 40 नो-बॉल
लसिथ एम्बुलडेनिया (श्रीलंका) – 33 नो-बॉल
जैक लीच (इंग्लैंड) – 19 नो-बॉल
जोमेल वारिकन (वेस्टइंडीज) – 17 नो-बॉल
जहीर खान (अफगानिस्तान) – 17 नो-बॉल

जडेजा का यह रिकॉर्ड बताता है कि उनकी नो-बॉल की समस्या कोई नई बात नहीं है। कोलंबो टेस्ट में भी अगर भारतीय गेंदबाज अतिरिक्त रन बांटते रहे, तो मजबूत स्थिति में पहुंच चुकी टीम इंडिया के लिए मुकाबला अनावश्यक रूप से मुश्किल हो सकता है।

बड़ा ऐलान : पूर्व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ने लिया संन्यास का फैसला

2026 के बाद क्रिकेट को अलविदा कहेंगे डीन एल्गर, परिवार के साथ बिताएंगे समय

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और अनुभवी सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर ने क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान कर दिया है। 39 वर्षीय एल्गर 2026 सीजन के अंत में पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कहेंगे। इसके साथ ही दो दशक से अधिक लंबे उनके शानदार क्रिकेट करियर का अंत हो जाएगा। एल्गर ने अपने फैसले की वजह परिवार को अधिक समय देना बताया है। उन्होंने कहा कि अब वह अपने बच्चों और पार्टनर के साथ अधिक समय बिताना चाहते हैं। डीन एल्गर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 86 टेस्ट मैच खेले और 37.92 की औसत से 5347 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 14 शतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन रहा, जो उन्होंने 2017 में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था। एल्गर ने दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी भी 18 टेस्ट मैचों में की। उन्होंने जनवरी 2024 में भारत के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में आखिरी बार प्रोटियाज टीम की कप्तानी की थी। उस मुकाबले में नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा चोटिल होने के कारण टीम का हिस्सा नहीं थे।

अपने संन्यास के फैसले पर एल्गर ने कहा, %मुझे लगता है कि अब मेरे लिए सही समय है। मैं अब 39 साल का हूं और घर पर बहुत कुछ चल रहा है। मेरे बच्चे तेजी से बड़े हो रहे हैं। मैं अब अपने परिवार के लिए मौजूद रहना चाहता हूं।% उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के लिए 12 साल खेलना और फिर टीम की कप्तानी करना उनके करियर के सबसे गौरवपूर्ण पलों में रहा। एल्गर ने कहा, %अगर मैं अपने सफर को पीछे मुड़कर देखता हूं तो शायद बहुत कम लोगों ने सोचा होगा कि मेरा क्रिकेट करियर इतना लंबा चलेगा। दो दशक से ज्यादा का करियर होना मेरे लिए बेहद खास है।%

इंग्लैंड को हराना सबसे खास पल

एल्गर ने अपने करियर के सबसे यादगार पलों में कप्तान के तौर पर लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत को खास तौर पर याद किया। उन्होंने बताया कि जिस अंदाज और आक्रामक ब्रांड के साथ दक्षिण अफ्रीका ने वह मुकाबला खेला, वह उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण था। उनकी कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट रैंकिंग में भी सुधार किया। एल्गर के कप्तान बनने के समय टीम सातवें स्थान पर थी, जबकि उनके कार्यकाल के अंत तक दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान पर पहुंच गई थी।

एसेक्स के साथ भी रहा शानदार सफर

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदाई के बाद एल्गर ने इंग्लैंड के काउंटी क्रिकेट क्लब एसेक्स का रुख किया। वह 2023 में संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक के स्थान पर टीम से जुड़े थे। एसेक्स के लिए खेलते हुए एल्गर ने न सिर्फ रन बनाए, बल्कि युवा खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में भी अहम भूमिका निभाई। क्लब के क्रिकेट निदेशक क्रिस सिल्वरवुड ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि एल्गर का करियर लंबे समय तक टिके रहने, जुझारूपन और क्रिकेट के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि एल्गर के पास टेस्ट क्रिकेट का शानदार अनुभव था और उनकी बल्लेबाजी में लंबे समय तक क्रीज पर टिके रहने की पुरानी शैली की भूख दिखाई देती थी।

चाहते हैं कि मेहनत और जुझारूपन के लिए याद किया जाए

एल्गर ने यह भी बताया कि वह चाहते हैं कि क्रिकेट प्रशंसक उन्हें एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में याद करें जिसने हमेशा जीत के लिए पूरी ताकत से खेला। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि लोग उन्हें मेहनती, जुनूनी और टीम के लिए हर संभव प्रयास करने वाले क्रिकेटर के तौर पर याद रखें। साथ ही हार के बाद विपक्षी खिलाड़ियों का सम्मान करने और उनसे हाथ मिलाने को भी उन्होंने अपने क्रिकेट मूल्यों का हिस्सा बताया।

एसेक्स ने भी की जमकर तारीफ– एसेक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डैन फीस्ट ने एल्गर के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके आने के बाद टीम के शीर्ष क्रम को मजबूती मिली। उन्होंने कहा कि एल्गर ने अपनी मेहनत, दृढ़ता और पेशेवर रवैये से क्लब में महत्वपूर्ण योगदान दिया। फीस्ट के मुताबिक, एल्गर का योगदान सिर्फ रन बनाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने युवा खिलाड़ियों को सलाह देकर टीम के भविष्य को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाई।

जायसवाल की आक्रामकता पर मचा घमासान

पूर्व क्रिकेट संजय मांजरेकर ने उठाए कड़े सवाल, बोले- हाथ नहीं बल्ले से दो जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट में जुनून और आक्रामकता को खेल का हिस्सा माना जाता है, लेकिन जब मैदान पर मामला शारीरिक टकराव तक पहुंच जाए तो बहस केवल खिलाड़ी की गलती तक सीमित नहीं रहती। भारत और श्रीलंका के बीच गॉल टेस्ट में यशस्वी जायसवाल और असिथा फर्नांडो के बीच हुई भिड़ंत ने इसी मुद्दे को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। इस विवाद के बाद पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने सजा और खिलाड़ियों के व्यवहार को लेकर कड़े सवाल उठाए हैं। गॉल टेस्ट के दौरान आउट होने के बाद ड्रेसिंग रूम की ओर लौट रहे यशस्वी जायसवाल की श्रीलंकाई तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि जायसवाल ने फर्नांडो को सिर से टक्कर मार दी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने इस घटना पर जायसवाल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा। हालांकि, संजय मांजरेकर को यह दंड पर्याप्त नहीं लगा। मांजरेकर ने सामाजिक माध्यम पर सीधे तौर पर केवल जायसवाल को निशाना बनाने के बजाय खिलाड़ियों के व्यवहार और अनुशासन के बड़े मुद्दे पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यदि खिलाड़ी ऐसी हरकतों के बाद आसानी से बच निकलते हैं, तो उन्हें भविष्य में वही गलती दोहराने से रोकने वाला दबाव कम हो जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी का विवाद भी आया याद

कुछ महीने पहले भारत ए और श्रीलंका ए के बीच मुकाबले के बाद वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए के विषेन हलंबगे के बीच विवाद हुआ था। सुपर ओवर में मुकाबला खत्म होने के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच तनातनी बढ़ गई थी और वैभव ने हलंबगे को धक्का दिया था। उस मामले में दोनों खिलाड़ियों पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था। विवाद में भूमिका के लिए तिलक वर्मा और निरोशन डिकवेला पर भी कार्रवाई हुई थी। मांजरेकर ने उस समय भी वैभव के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए कहा था कि ऐसी स्थिति में वह युवा खिलाड़ी को अगले मुकाबले से बाहर रखने के पक्ष में होते।

सोनल दिनुषा का शतक से धमाका-भारत के खिलाफ रचा इतिहास, दिग्गजों की खास सूची में बनाई जगह

कोलंबो। भारत के खिलाफ श्रीलंका के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुषा का बल्ला लगातार आग उगल रहा है। कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में 25 वर्षीय दिनुषा ने शानदार शतक जड़ते हुए कई बड़ी उपलब्धियां अपने नाम कर लीं। उन्होंने 147 गेंदों पर 103 रन की बेहतरीन पारी खेली। हालांकि, उनकी शतकीय पारी श्रीलंका को फॉलोऑन से नहीं बचा सकी और पूरी टीम 290 रन पर सिमट गई। दिनुषा ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर शानदार पुल शॉट खेलकर चौका लगाया और अपना शतक पूरा किया। सैकड़ा पूरा होते ही उन्होंने बल्ले को चूमा, हेलमेट उतारा और दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया। उनकी इस पारी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय गेंदबाजों के सामने वह श्रीलंका के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। इस श्रृंखला में दिनुषा का प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 100 रन और दूसरी पारी में 84 रन बनाए थे। अब कोलंबो में 103 रन की पारी के साथ श्रृंखला में उनके स्कोर 100, 84 और 103 हो गए हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

नेहा कक्कड़ ने बहन सोनू संग मनाया प्री-रक्षाबंधन यूजर्स बोले- इनका तो ब्रेकअप हो गया था ना?

रक्षाबंधन के त्योहार से ठीक पहले बॉलीवुड की मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ ने अपनी बड़ी बहन सोनू कक्कड़ के साथ सोशल मीडिया पर बेहद खूबसूरत और प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में दोनों बहनें एक जैसी मैचिंग राखियां पहने हुए नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि इस खास मौके पर उनके भाई और सिंगर टोनी कक्कड़ भी साथ दिखाई दिए।

नेहा का यह पोस्ट ऐसे वक्त में सामने आया है जब पिछले साल इन भाई-बहनों के बीच अनबन और दूरियों की खबरें खूब चर्चा में रही थीं, लेकिन अब एक बार फिर पूरा परिवार एक साथ मुस्कुराता नजर आ रहा है। नेहा कक्कड़ ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अपनी बड़ी बहन के लिए खास प्यार जताया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मुझे पता है कि रक्षाबंधन अभी आने वाला है, लेकिन यह पोस्ट खास तौर पर मेरी बहन सोनू के लिए है। लव यू दीदी।

अनबन के बाद एक साथ दिखा परिवार– पिछले साल कक्कड़ सिबलिंग्स के बीच आपसी मनमुटाव और दूरियों की खबरों ने मीडिया में काफी सुर्खियां बटोरी थीं। ऐसे में लंबे समय बाद तीनों का यूं सार्वजनिक रूप से एक साथ आना और खुशियां मनाना फैंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है। रक्षाबंधन से पहले एक साथ आकर इन्होंने अपने बीच की हर खटास को पीछे छोड़ दिया है और यह साबित कर दिया है कि परिवार में प्यार से बढ़कर कुछ नहीं होता।

फैंस ने पुरानी अनबन पर लिए मजे

नेहा के इस पोस्ट पर जहां कई फैंस उन पर प्यार लुटा रहे हैं, वहीं कुछ यूजर्स पुरानी खबरों को लेकर कमेंट सेक्शन में मजे लेते भी दिखे। एक यूजर ने चुटकी लेते हुए कमेंट किया, इनका तो ब्रेकअप हो गया था ना? वहीं दूसरे यूजर ने तंज कसते हुए लिखा, इसने तो कजिन्स से डिवोर्स लिया था ना! हालांकि, सोशल मीडिया पर इस तरह की मिले-जुले रिएक्शन के बावजूद तीनों भाई-बहनों की यह तस्वीर इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही है।

टॉक्सिक के सीन लीक, बोल्डनेस ने मचाई तबाही

2 बच्चों के पिता यश संग इंटीमेट हुईं कियारा, गाड़ी में किया रोमांस

साउथ सुपरस्टार यश की मचअवेटेड फिल्म टॉक्सिक सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को लेकर बना बज और क्रेज किसी से छिपा नहीं है। फर्स्ट डे फर्स्ट शो को देखने के लिए फैंस की एक्साइटमेंट पीक पर है। इस बीच इंटरनेट पर कई लोग स्पॉयलर्स भी डाल रहे हैं। कई सीन्स कियारा आडवाणी और यश के इंटीमेट सीन्स को लेकर है।

टीजर और गानों में यश-कियारा की रोमांटिक केमिस्ट्री ने सबके होश उड़ाए थे। अब फिल्म रिलीज होने के बाद भी ये सीन्स तबाही मचा रहे हैं। इंटरनेट पर यूजर्स ने कियारा की बोल्डनेस के क्लिप वायरल किए हैं। इनमें कियारा की हॉटनेस दिखी है। यश संग उनके गाड़ी में रोमांस के क्लिप इंटरनेट पर छाए हुए हैं।

इन सीन्स को देखकर फैंस का कहना है एक्ट्रेस ने अपनी बोल्डनेस से आग लगा दी है। ये वही इंटीमेट सीन्स हैं जिनकी वजह से कियारा को काफी ट्रोलिंग झेलनी पड़ी। एक यूजर ने कियारा की तारीफ में लिखा- यश के साथ कियारा की केमिस्ट्री धमाकेदार है। उन्होंने फिल्म में अच्छी एक्टिंग कर साबित किया है कि वो बस बोल्डनेस दिखाने के लिए नहीं हैं। दूसरे ने कहा- कियारा की हॉटनेस इंटरनेट का पारा हाई करने वाली है। यूजर्स ने कियारा को फिल्म की मोस्ट पावरफुल लेडी भी बताया है। शादीशुदा और 1 बच्चे की मां होने के बाद कियारा का ऐसे सीन्स करना लोगों को नागवार गुजरा। लेकिन एक्ट्रेस ने पब्लिक ओपिनियन की परवाह नहीं की। कियारा को इन सीन्स को लेकर कोई दिक्कत नहीं है। वो इसे अपने काम का हिस्सा मानती हैं। फिल्म देखने के बाद यूजर्स का कहना है कि कियारा को उनकी बोल्डनेस तक समेटना गलत होगा। उन्होंने इंटीमेसी दिखाने के अलावा अपनी दमदार एक्टिंग से भी तबाही मचाई है।

मेट्रो बाजार

घर खरीदना बना नई प्राथमिकता

31 फीसदी भारतीय पांच साल में चाहते हैं अपना आशियाना

नई दिल्ली। भारतीयों में वित्तीय आत्मविश्वास बढ़ने के साथ अब खर्च के बजाय लंबे समय की आर्थिक सुरक्षा पर जोर बढ़ रहा है। होम क्रेडिट इंडिया की द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2026 रिपोर्ट के मुताबिक, निम्न-मध्यम वर्ग के 31 फीसदी लोग अगले पांच साल में अपना घर खरीदना सबसे बड़ा वित्तीय लक्ष्य मानते हैं। पिछले साल के मुकाबले इसमें 8 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई है। घर खरीदना महिलाओं की प्राथमिकता में सबसे ऊपर है। 40 फीसदी महिलाओं ने अगले पांच साल में घर खरीदने को लक्ष्य बताया, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 29 फीसदी रहा। घर खरीदने के बाद कारोबार शुरू या बढ़ाना 25 फीसदी लोगों की प्राथमिकता रही। सर्वे में शामिल लोगों की औसत मासिक आय 35 हजार और जरूरी खर्च 21 हजार रुपये रहा। 53त्न लोग खर्च निकालने के बाद बचत कर पा रहें। 36त्न के पास कुछ बचत नहीं कर पाते। 11त्न लोग उधार लेकर खर्च चलाते हैं। घर के बाद कारोबार और बच्चों की पढ़ाई- पांच साल के लोगों के वित्तीय लक्ष्यों में मकान खरीदना 31त्न, कोई कारोबार शुरू करना या उसे बढ़ाना 25त्न, बच्चों की शिक्षा 14त्न, कर्ज चुकाना 10त्न और कार खरीदना 9त्न शामिल है। दोपहिया वाहन और विदेश यात्रा जैसे अपेक्षाकृत गैर-जरूरी खर्चों की प्राथमिकता घट रही है। वित्तीय कल्याण सूचकांक 2025 के 34 से बढ़कर 2026 में 40 हो गया। बचत सूचकांक 23 से बढ़कर 31, निवेश सूचकांक 17 से बढ़कर 31 पहुंच गया।

मंदी के बीच ऐपल-सैमसंग का दबदबा टॉप 10 स्मार्टफोन्स की लिस्ट पर कब्जा

काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, साल 2026 की दूसरी तिमाही में दुनिया भर में सबसे ज्यादा बिकने वाले टॉप 10 स्मार्टफोन्स की लिस्ट में सिर्फ ऐपल और सैमसंग के ही फोन्स हैं। दुनिया भर में बिकने वाले कुल स्मार्टफोन्स में से 26त्न हिस्सेदारी अकेले इन्हीं टॉप 10 मॉडल्स की रही है। यह डेटा जून तिमाही के लिए सबसे अधिक हिस्सेदारी दिखाता है। इसका मतलब साफ है कि इन टॉप 10 मॉडल के कारण ऐपल और सैमसंग की हिस्सेदारी स्मार्टफोन मार्केट में बढ़ गई है। आइये, डिटेल में जानते हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताता है कि जून तिमाही में इन टॉप फोन्स की बिक्री का शेयर अब तक का सबसे ज्यादा है। यह पिछले साल के मुकाबले 2त्न बढ़ा है। दूसरी तरफ, अगर पूरी दुनिया के स्मार्टफोन मार्केट को देखें, तो कुल मिलाकर बिक्री में 11त्न की गिरावट आई है। यह बताता है कि कंपनियां अब बहुत सारे अलग-अलग फोन बनाने के बजाय सिर्फ कुछ ही खास मॉडल बनाने पर ध्यान दे रही हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि मेमोरी की कीमतें बढ़ गई हैं और फोन के पार्ट्स मिलने में दिक्कत आ रही है, जिससे कंपनियों के लिए बहुत सारे मॉडल एक साथ बनाना और बेचना मुश्किल हो रहा है। इस तीन महीने की तिमाही के दौरान, दुनिया भर में सबसे ज्यादा बिकने वाले यानी नंबर वन पर रहे स्मार्टफोन मॉडल का ही कुल बिक्री में 6त्न हिस्सा रहा है। वहीं, सैमसंग के भी दो फोन टॉप-10 लिस्ट में शामिल हैं, जिनमें कंपनी का नया सबसे महंगा फोन सबसे ज्यादा बिका और पिछले साल वाले मॉडल के मुकाबले 5 स्थान ऊपर पहुंच गया। काउंटरप्वाइंट के आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया भर में स्मार्टफोन्स की डिलीवरी 2013 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है। यानी 2013 के बाद अब सबसे कम स्मार्टफोन की बिक्री हो रही है।

कुदरत की मार से काठमांडु से देवघाट तक हाहाकार

जल प्रलय

पहाड़ों से पानी नहीं मौत गिर रही थी, पल-पल टूट रही थीं सांसें

भोटेकोशी-त्रिशूली-नारायणी में सैलाब ने मचाई भारी तबाही

काठमांडु, नेपाल, एजेंसी

नेपाल में बुधवार सुबह कुदरत ने ऐसी तबाही मचाई कि भोटेकोशी से लेकर त्रिशूली और नारायणी नदी के तटीय इलाकों तक हाहाकार मच गया। तिब्बत की ओर नदी का बहाव रुकने से बनी झील के टूटने के बाद अचानक आई भीषण बाढ़ ने नेपाल के कई हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया। बाढ़ का वेग इतना खतरनाक था कि चार स्वचालित जलमापन केंद्र तक पानी में बह गए और कई स्थानों पर नदी का वास्तविक जलस्तर मापना तक संभव नहीं रहा। इतना ही नहीं, पहाड़ों से पानी नहीं मौत गिर रहीं थी और पल भर में सांसे टूट जाती थीं।

नेपाल के जल विज्ञान अनुसंधान केंद्र की बाढ़ पूर्वानुमान महाशाखा की तकनीकी रिपोर्ट के मुताबिक, 26 अगस्त की सुबह 8:37 बजे 4.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसके कुछ ही देर बाद तिब्बत की ओर से भोटेकोशी नदी में अचानक भारी बाढ़ आने की सूचना मिली। महज कुछ मिनटों में हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन और बाढ़ पूर्वानुमान अधिकारियों को नदी किनारे रहने वाली आबादी को बड़े पैमाने पर चेतावनी जारी करनी पड़ी।

6.79 लाख एसएमएस से लोगों को किया अलर्ट

नेपाल टेलिकॉम और एनसेल के सहयोग से रसुवा, नुवाकोट, धादिङ और चितवन के संवेदनशील इलाकों में रहने वाले लोगों को कुल 6 लाख 79 हजार 295 चेतावनी एसएमएस भेजे गए। इनमें नेपाल टेलिकॉम के 4 लाख 35 हजार 635 और एनसेल के 2 लाख 43 हजार 660 संदेश शामिल थे। समय रहते मिली चेतावनी के कारण बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने का मौका मिला।

सैलाब ने तोड़े खतरे के निशान

लेकिन बाढ़ लगातार विकराल होती गई। सुबह 9:20 बजे बेत्रावती जलमापन केंद्र ने भी काम करना बंद कर दिया। इसका अंतिम जलस्तर 3.55 मीटर दर्ज हुआ था। सुबह 10:28 बजे सैलाब धादिङ-गल्छी क्षेत्र तक पहुंच गया, जिसके बाद पृथ्वी राजमार्ग, मुग्लिन-नारायणगढ़ सड़क और त्रिशूली किनारे बसे इलाकों के लिए दोबारा चेतावनी जारी की गई। सुबह 11:26 बजे मलेखु के फुर्केखोला जलमापन केंद्र पर पानी चेतावनी सीमा से ऊपर पहुंच गया। महज 17 मिनट बाद, 11:43 बजे, जलस्तर खतरे की सीमा पार कर गया और कुछ ही समय में पुल सहित जलमापन केंद्र बाढ़ में बह गया। 11:50 बजे सैलाब मलेखु बाजार के आसपास पहुंच गया।

कुदरत का रौद्र रूप, पीछे छोड़ गया तबाही के निशान| भूकंप के कुछ ही समय बाद आई इस अचानक बाढ़ ने एक बार फिर दिखा दिया कि पहाड़ी नदियों के आसपास रहने वाले इलाकों में प्राकृतिक आपदा कितनी तेजी से विनाशकारी रूप ले सकती है। चेतावनी प्रणाली ने कई लोगों की जान बचाने में मदद की, लेकिन नदी का रौद्र रूप अपने पीछे भारी नुकसान और तबाही के निशान छोड़ गया।

मुग्लिन के बाद देवघाट तक पहुंची तबाही

दोपहर 1 बजे बाढ़ मुग्लिन बाजार को पार कर चुकी थी। इसके बाद भी खतरा खत्म नहीं हुआ। दोपहर 2:14 बजे कालीखोला जलमापन केंद्र पर पानी 12.1 मीटर की खतरे की सीमा को पार कर 12.3 मीटर के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। दोपहर 3:20 बजे बाढ़ नारायणी-देवघाट क्षेत्र में दाखिल हुई।

देवघाट में 2 करोड़ घनमीटर अतिरिक्त पानी

शाम 4 बजे देवघाट जलमापन केंद्र पर जलस्तर 6.57 मीटर के उच्चतम स्तर पर पहुंचा और इसके बाद धीरे-धीरे घटने लगा। शाम 6:30 बजे तक नदी का बहाव करीब 4 मीटर के सामान्य स्तर के आसपास लौट आया। तकनीकी आकलन के अनुसार, बाढ़ की पूरी अवधि में केवल देवघाट से करीब 2 करोड़ घनमीटर अतिरिक्त पानी बहने का अनुमान है।

चीन की भूमिका पर उठे सवाल, राजदूत ने राहत का दिया भरोसा

नई दिल्ली। नेपाल में तिब्बत सीमा के पास आई विनाशकारी बाढ़ के बाद अब प्राकृतिक आपदा के साथ-साथ चीन की भूमिका को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। नेपाल के पत्रकारों के एक समूह ने आरोप लगाया है कि बाढ़ का खतरा बढ़ने की जानकारी नेपाल को समय रहते नहीं दी गई। इन आरोपों के बीच नेपाल में चीन के राजदूत झांग माओमिंग ने आपदा को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए चीन की ओर से जारी राहत प्रयासों और सहायता का ब्योरा साझा किया है।

चीन-नेपाल सीमा पर तबाही से मचा हाहाकार

ग्यिरोंग-रसुवागढ़ी सीमा क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ ने नेपाल और चीन, दोनों तरफ भारी तबाही मचाई है। चीनी राजदूत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए इस आपदा पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि इस हादसे में दोनों देशों की तरफ बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है और व्यापक स्तर पर नुकसान हुआ है। राजदूत ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में चीन नेपाल के साथ खड़ा है। उनका कहना है कि चीन के हिस्से में भी आपदा से काफी नुकसान हुआ है, इसके बावजूद नेपाल के लिए आपातकालीन राहत सामग्री और आर्थिक सहायता की व्यवस्था तुरंत शुरू की गई।

राहत के लिए हर संभव मदद का दावा

झांग माओमिंग ने भरोसा दिलाया कि चीन आगे भी नेपाल को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की कोशिश करेगा। उन्होंने दोनों देशों के बीच सहयोग की बात करते हुए कहा कि मिलकर प्रभावित क्षेत्रों में हालात सामान्य करने के प्रयास किए जाएंगे।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा

पीछे से ट्रक ने बस में मारी जोरदार टक्कर, तीन यात्रियों की मौत और 11 घायल

सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे परबड़ा हादसा हो गया। बल्दीराय थाना क्षेत्र के टेरी गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने गुड़गांव से बिहार जा रही निजी बस में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बस सवार तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीएम प्रभात सिंह, सीओ बल्दीराय आशुतोष कुमार और थानाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे और घायल यात्रियों को बाहर निकलवाया। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार कराया जा रहा है। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बेहतर उपचार के लिए कुमारगंज के पीठला अस्पताल रेफर किया गया है।

हादसे में जान गंवाने वाले तीन यात्रियों के शव कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। घटना के बाद एक्सप्रेसवे पर काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। सीओ बल्दीराय आशुतोष कुमार ने तीन यात्रियों की मौत और 11 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है।

सिंगर की हत्या: जिम में फोन पर बहस बाहर निकलते ही गोलियों से भूना

शामली। शामली शहर के बीच आर्यपुरी नाला पटरी पर कोतवाली के नजदीक बाइक से आए चार हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग करके हरियाणवी सिंगर व एक्टर अंकित बालियान (35) की हत्या कर दी।

बावरी क्षेत्र के गांव बंतीखेड़ा निवासी अंकित के जिम से बाहर निकलते के बाद गाड़ी में बैठते ही हमला किया गया। अंकित के सिर, छाती और पेट में पांच गोलियां लगने के निशान मिले हैं।

हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। हत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। अंकित बालियान पिछले कुछ समय से हरियाणा के सोनीपत में रहे थे। पिछले करीब छह माह से वह शामली के अपने गांव में परिवार के साथ रह रहे थे। वह जिला पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। वार्ड तीन से संभावित प्रत्याशी के पोस्टर भी लगा दिए थे।

अंकित अपनी स्कार्पियो से गांव से नाला पटरी आर्यपुरी स्थित जिम गए थे। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि जिम में अंकित को किसी ने फोन किया था। कॉल करने वाले से अंकित की तीखी बहस हुई थी।

डिंपल यादव के महिला कार्ड को काउंटर करने उतरीं बीजेपी की चार महिला नेता

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की सियासी तपिश के बीच महिला वोटरों को साधने के लिए सियासी बिसात बिछाई जाने लगी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने 60 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को आजीवन मुफ्त बस सेवा की सुविधा देने का ऐलान किया तो जवाब में सपा ने डिंपल यादव को फ्रंटफुट पर उतार दिया। डिंपल यादव ने स्त्री सम्मान समृद्धि योजना के तहत महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपये देने का वादा किया।

डिंपल यादव के फ्रंट पर आकर मोर्चा संभालने और महिला कार्ड खेलने के बाद बीजेपी ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। सपा के इस दांव को काटने और महिला वोटरों में अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने के लिए बीजेपी ने अपनी महिला नेताओं की पूरी फौज मैदान में उतार दी है। बीजेपी की महिला नेताओं ने सपा के महिला कार्ड को काउंटर करना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश में महिला मतदाता किसी भी चुनाव का पासा पलटने का मादा रखती हैं। इसीलिए सपा और बीजेपी दोनों ही तरफ से शह-मात का खेल शुरू हो गया है। सपा सांसद डिंपल यादव ने जैसे ही महिलाओं को साधने का दांव चला, बीजेपी की महिला नेता फ्रंटफुट पर उतरकर सपा को महिला विरोधी कठघरे में खड़ा करने में जुट गई हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में महिला वोटों को साधने के लिए अपनी पत्नी और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव को आगे कर दिया है।

शिक्षा

भानुप्रतापपुर के छात्रों का केटीयू में ज्ञानवर्धक शैक्षणिक भ्रमण

पत्रकारिता एवं जनसंचार के गूढ़ मंत्रों से अवगत हुए छात्र

रायपुर, एजेंसी

बस्तर के भानुप्रतापपुर स्थित महर्षि वाल्मीकि महाविद्यालय के बीए (जनसंचार) के छात्रों ने यहां कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय का ज्ञानवर्धक शैक्षणिक भ्रमण कियाद्य इस दौरान उन्होंने कम्युनिटी रेडियो, टीवी स्टूडियो, कंप्यूटर लैब, निर्माणाधीन एआई एवं मीडिया शोध लैब, पुस्तकालय अकादमिक भवनों,आदि से काफी प्रेरित और प्रभावित हुए। छात्रों ने कुलपति प्रोफेसर डॉ मनोज दयाल, कुलसचिव सुनील शर्मा, सहायक कुल सचिव देव सिंह पाटिल सहित विभाग अध्यक्षों, शिक्षकों एवं छात्रों से भी मुलाक़ात की।

छात्रों ने बताया कि पत्रकारिता विश्वविद्यालय का भ्रमण करने से उन्हें कई तकनीकी बारीकियों के सम्बन्ध में विस्तृत एवं व्यापक जानकारी प्राप्त हुई। पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ मनोज दयाल ने अपने कक्ष में छात्रों को पत्रकारिता एवं जनसंचार के गूढ़ मंत्रों से अवगत कराया। कुलपति प्रो. दयाल ने छात्रों को नियमित समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो, टीवी, डिजिटल मीडिया आदि का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए उत्साहित किया। कुलपति ने उन्हें शोध से पूर्व अनौपचारिक रूप से प्रत्यक्ष अवलोकन विधि द्वारा विभिन्न मीडिया का 'कम्पेरेटिव कंटेंट एनालिसिस' करते रहने के लिए शिक्षित किया। महाविद्यालय के एक दर्जन छात्रों ने विश्वविद्यालय का भ्रमण कर काफी प्रसन्नता जाहिर की।

इन छात्रों ने विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन में जाकर जनसंचार विभाग, पत्रकारिता विभाग, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग ,विज्ञापन एवं जनसंचार विभाग समेत विभिन्न विभागों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं, अध्यक्षों एवं शिक्षकों से मिलकर अपने ज्ञान व अनुभवों को साझा किया। उन्हें यहां संचालित किये जा रहे विभिन्न सृजनात्मक क्लबों,केंद्रों एवं समूहों के बारे में जानकार इसे अनुकरणीय बताया।

महर्षि वाल्मीकि महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के शिक्षक श्री दम थाली के मार्गदर्शन में उनका यह भ्रमण काफी सुखद अनुभव देने वाला रहा।इस दौरान छात्रों ने कम्युनिटी रेडियो संवाद 98.2 में अपना संदेश रिकॉर्ड किया और विश्वविद्यालय का भ्रमण की इजाजत देने के लिए कुलपति सहित संपूर्ण8 विश्वविद्यालय परिवार के प्रति अपना हार्दिक भी आभार प्रकट किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524